खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 30 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-239

न्यूयॉर्क में बोले भागवत

सबका ईश्वर एक!

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में आयोजित एक दुनिया, एक मानवता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानवता की एकता, धार्मिक विविधता, संवाद और सेवा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को भारत से निकालना हिंदुत्व नहीं है। हिंदू विचार यह मानता है कि सभी रास्ते एक ही सत्य की ओर जाते हैं और प्रत्येक मनुष्य की गरिमा समान है।

मोहन भागवत ने कहा कि मैं ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो परंपरागत रूप से यह कहता है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है और मानवता उसी सत्य की उपज है। इसलिए मानवता एक है। सत्य एक है, लेकिन उसे अलग-अलग तरीकों से बताया और समझाया जाता है, क्योंकि हम मनुष्य अपने अनुभवों और अपनी सीमाओं के कैदी हैं।

उन्होंने कहा कि हम इंसान हैं और कम से कम सात रंग देखते हैं। मैं पशु चिकित्सक हूं, मुझे कुत्तों के बारे में पता है। कुत्ते सिर्फ काले और सफेद रंग देखते हैं। अब आप कुत्ते को दुनिया के बारे में कितना भी समझाएं, वह उसे हमारी तरह कभी नहीं समझ पाएगा। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कुत्ते का अनुभव असत्य है। उसने जो देखा है, वह उसके लिए वास्तविक है। उसी तरह एक इंसान के रूप में सात रंगों को देखना और उसका अनुभव करना भी हमारे लिए सत्य है। लेकिन हम सभी एक ही चीज का अनुभव कर रहे हैं, जो उस सत्य पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत सारे धर्म हैं। आज की दुनिया में धर्मों की पहचान काफी हद तक उनके रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन में शामिल होने और उस रास्ते पर चलते हुए दिव्यता तक पहुंचने के लिए इन रीति-रिवाजों और अनुशासन का पालन करना भी जरूरी है। लेकिन हर धर्म हमें कहां ले जा रहा है? वह हमें उसी अंतिम सत्य की ओर ले जा रहा है।

मोहन भागवत ने कहा कि अगर मैं आपको किसी चीज की ओर इशारा करके कहूं कि वहां रोशनी है, तो आप पहले मेरी उंगली को देखेंगे और फिर उस रोशनी को। लेकिन अगर आप मेरी उंगली को ही देखते रहेंगे और उसी पर अटके रहेंगे, तो आप उस रोशनी को कभी नहीं देख पाएंगे। तब उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। अंतिम सत्य की खोज करना ही हमारा उद्देश्य है। उस दिव्यता को, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। विज्ञान आजकल उसे चेतना कहता है।

उन्होंने कहा कि हमें सत्य की उस राह पर चलना है। लेकिन हमें यह हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि लक्ष्य एक है और रास्ते अनेक हैं। मैं हमारी परंपरा से एक और उदाहरण देना चाहता हूं। हमारी परंपरा में कहा गया है कि धरती पर गिरने वाला हर पानी अंततः समुद्र तक पहुंचता है। रास्ते अलग-अलग हैं। कई रास्ते हैं। कुछ सीधे हैं, कुछ घुमावदार हैं। कुछ रास्ते दूसरों से लंबे हैं, कुछ छोटे हैं। कुछ बहुत अच्छी तरह बनाए गए रास्ते हैं और कुछ सिर्फ जंगल के रास्ते हैं। रास्ते अलग होना स्वाभाविक है और अलग-अलग रास्ते हमारी धारणाओं में अंतर की वजह से होते हैं। लेकिन सभी रास्ते उसी दिव्यता, उसी ईश्वर या उस सत्य तक पहुंचने के लिए हैं।

मोहन भागवत ने कहा कि हमारे यहां सभी संप्रदायों के लोगों के लिए परंपरागत रूप से स्थान रहा है। भारत ने हमेशा हर किसी को आश्रय देने की कोशिश की है। दुनिया में जिन्हें सुरक्षित स्थान नहीं मिला, उन्होंने यहां आकर शरण ली। लेकिन इन सब चीजों के कारण कुछ परेशानियां और अस्थिरताएं भी पैदा हुई हैं।

उन्होंने कहा कि हम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में, क्योंकि हमारे पास यह ज्ञान है कि पूरी मानवता एक है, अपना कर्तव्य मानते हैं कि हम दुनिया भर में जाएं और हर व्यक्ति को यह बताएं कि हमारी विविधता के बावजूद हम एक हैं।

विविधता प्रकृति का नियम, एकता सत्य

विविधता एक सजावट है। इसे स्वीकार किया जाना चाहिए, इसका सम्मान किया जाना चाहिए और इसकी रक्षा की जानी चाहिए। जिस तरह मैं अपनी विशिष्ट प्रकृति की रक्षा करता हूं, उसी तरह मुझे दूसरे की विशिष्टता की भी रक्षा करनी चाहिए। क्योंकि विविधता प्रकृति का नियम है और एकता प्रकृति के पीछे का सत्य है। इसी सोच के साथ वर्ष 1925 में यह यात्रा शुरू हुई। पिछले 100 वर्षों के दौरान हमने अपने समाज में अपने लिए एक स्थान और प्रतिष्ठा बनाई है। ▶8पर

मुस्लिम भाइयों से संवाद का उदाहरण

2018 में दिल्ली में एक कार्यक्रम में मुस्लिम भाई भी मौजूद थे। उन्होंने मुझसे सवाल पूछाआप एक हिंदू संगठन हैं, आप हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं, तो हमारा क्या होगा? क्या आप हमें बाहर निकाल देंगे?

मैंने कहा, नहीं। यह हिंदू विचार नहीं है। अगर कोई हिंदू यह मानता है कि कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। हिंदू होने का अर्थ है यह मानना कि सभी रास्ते उसी सत्य की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा है। मनुष्यों में कोई अंतर नहीं है।

उन्होंने कहा कि एक ज्ञानी व्यक्ति कुत्ते और विद्वान ब्राह्मण में भी समानता देखता है, क्योंकि ये सभी अंतर प्रकृति की विविधता का हिस्सा हैं। हमें इस विविधता के साथ आगे बढ़ना है। लेकिन जो वास्तविकता हमेशा मौजूद है, वह एक है। हमारे बीच के अंतर और उनके भ्रम कुछ समय के लिए मौजूद रह सकते हैं, लेकिन अंततः वे समाप्त हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मैं आपको यह सिखाने नहीं आया हूं। आप यह जानते हैं और वास्तव में आप ही इसे लोगों को सिखा रहे हैं। समस्या मनुष्य के ज्ञान की नहीं है। पूरी दुनिया की पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं में यह बात मौजूद है। हर समाज की अपनी परंपरा में यह ज्ञान है। समस्या यह है कि अब हमें ऐसी स्थिति बनानी है, जहां यह ज्ञान प्रभावी हो और मानव व्यवहार को दिशा दे। हमें एकता का ज्ञान और प्रेम का ज्ञान अपने व्यवहार में उतारना होगा।

मोहन भागवत ने कहा कि आज यहां अलग-अलग सत्रों में जो बातें कही गई हैं, मैं उनमें से हर बात से सहमत हूं। हम नीतियों को बनने से पहले प्रभावित करना चाहते हैं। हम उन्हें समझाना चाहते हैं। हम युद्ध रोकना चाहते हैं। इन सभी चीजों के लिए हमें राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ानी होगी।

मजलिस बेरहमत

एमएलसी को बिना कारण बताये निकाला

ओम प्रकाश सीरवी
हैदराबाद, 29 अगस्त।
एमआईएम के एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से तत्काल निष्कासित किए जाने का मामला राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कथित तौर पर बेग को तुरंत विधान परिषद के सभापति के समक्ष अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया है। यानी पार्टी से निष्कासन के साथ ही एमएलसी पद छोड़ने का भी दबाव बनाया गया है।

दरअसल, मिर्जा रहमत बेग से जुड़े कुछ आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। हालांकि, बेग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए इन वीडियो को डीपफेक बताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका दावा है कि वायरल सामग्री वास्तविक नहीं है और तकनीक के जरिए तैयार की गई है।

इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मामले में लंबा इंतजार नहीं किया और बेग के खिलाफ तत्काल कार्रवाई कर दी। पार्टी के इस फैसले को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब संबंधित व्यक्ति वीडियो को डीपफेक बता रहा है और पुलिस में शिकायत भी दर्ज करा चुका है, तो पार्टी ने जांच पूरी होने का इंतजार क्यों नहीं किया?

मिर्जा रहमत बेग स्थानीय निकाय कोटे से एमएलसी निर्वाचित हुए थे। ऐसे में उनके इस्तीफे के बाद उस सीट पर दोबारा एमआईएम की जीत सुनिश्चित नहीं मानी जा सकती। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व द्वारा इतनी तेजी से निर्णय लेना अपने आप में चर्चा का विषय है।

समर्थकों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह फैसला पार्टी की आंतरिक अनुशासन व्यवस्था का हिस्सा है या वायरल वीडियो विवाद के राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए लिया गया कठोर कदम ।

मजलिस की राजनीति में इस तरह की त्वरित कार्रवाई को उसके समर्थक पार्टी अनुशासन और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देख सकते हैं, जबकि आलोचक इसे जांच से पहले लिया गया कठोर फैसला बता रहे हैं। फिलहाल, वायरल वीडियो की वास्तविकता और पूरे मामले की सच्चाई पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर लगाम अब लाल षटकोण चेतावनी !

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।
खाने-पीने के किसी पैकेटबंद सामान में अगर नमक, चीनी या संतृप्त वसा की मात्रा तय सीमा से ज्यादा हुई तो पैकेट के सामने लाल रंग का षटकोण चेतावनी निशान लगाया जाएगा। इसके साथ स्पष्ट चेतावनी भी लिखी होगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने यह प्रस्ताव उच्चतम न्यायालय के समक्ष पेश किया है। इसका उद्देश्य ऐसे खाद्य पदार्थों को लेकर उपभोक्ताओं को पहले से सावधान करना है, जिनमें नमक, चीनी या संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के प्रस्ताव के मुताबिक चेतावनी वाला यह लेबल लाल रंग के षटकोण आकार का होगा और इसे पैकेट के सामने प्रमुखता से लगाया जाएगा।दरअसल, 3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर डिब्बाबंद या पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाने की मांग की थी। ▶8पर

आरक्षण पर घमासान

एनडीए में चिराग-मांझी आमने-सामने

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।
आरक्षण के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो सहयोगी दलों के बीच विवाद खुलकर सामने आ गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने ही सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के इस्तीफे की मांग कर दी है। मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने आरक्षण नीति की समीक्षा की मांग की थी। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है।

चिराग पासवान ने कहा कि अगर जीतन राम मांझी आरक्षण में क्रीमी लेयर और उप-कोटा की बात करते हैं, तो उन्हें पहले खुद इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने मांझी के बेटे और बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे की भी मांग की। दरअसल, दोनों दल बिहार और केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी हैं। ऐसे में दो केंद्रीय मंत्रियों के बीच इस तरह का विवाद

गठबंधन के भीतर खींचतान की चर्चा को बढ़ा रहा है। विवाद की शुरुआत हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की ओर से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में उप-कोटा देने की मांग से हुई। मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन ने कहा कि आरक्षण की समीक्षा जरूरी है। आरक्षण का फायदा सबसे कमजोर और लंबे समय से पिछड़ी जातियों तक भी पहुंचना चाहिए। सुमन ने साफ किया कि उनकी पार्टी आरक्षण खत्म करने की मांग नहीं कर रही है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 23^{0}

मंच 'शुद्धीकरण' पर हमला

राहुल बोलेसदियों से हो रहा अत्याचार

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के बाद मंच के शुद्धीकरण का मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण भी दिखाया। राहुल गांधी ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में खड़गे के भाषण के बाद मंच का शुद्धीकरण किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। राहुल ने कहा कि दलितों पर सदियों से अत्याचार होता आया है और देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान चार तस्वीरें दिखाईं और आरोप लगाया कि भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रवैया दलित विरोधी है।

1. हर जगह दलितों का अपमान

राहुल गांधी ने कहा कि हजारों साल से इस देश में दलितों पर अत्याचार और हिंसा की गई है। संविधान में इसे गैरकानूनी घोषित किया गया है, लेकिन आज भी स्कूलों में दलित बच्चों से शौचालय साफ कराया जाता है और झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है। यह हिंदुस्तान की वास्तविकता है।

उन्होंने कहा कि कई गांवों में दलितों को सार्वजनिक कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, इसलिए उन्हें अलग कुआं खोदना पड़ता है। ▶8पर

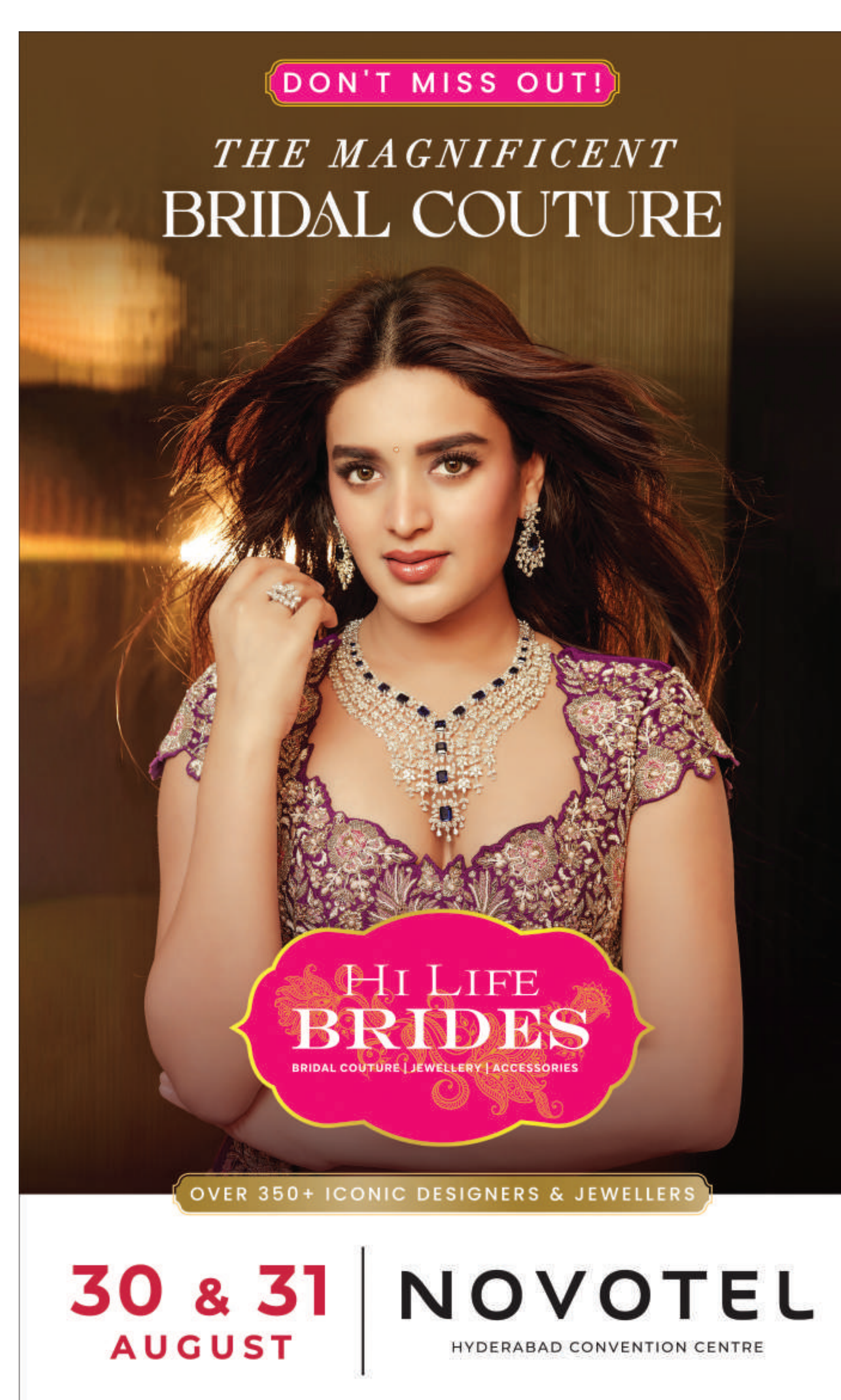

पूर्वी यरुशलम में यूएनआरडब्ल्यूए सेंटर पर इज़राइली कब्जे की निंदा, ईयू समेत 14 देशों ने जताया विरोध

यरुशलम

यूरोपीय संघ (ईयू) और 14 देशों ने कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए की एक सुविधा पर इजराइली सेना के कब्जे की कड़ी निंदा की है। इन देशों ने यूएनआरडब्ल्यूए के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए इज़राइल से एजेंसी के कामकाज में किसी भी तरह की रुकावट तत्काल रोकने की मांग की है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू - यरुशलम स्थित बेल्जियम के महावाणिज्य दूतावास की ओर से जारी संयुक्त बयान में बेल्जियम, ब्राज़ील, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, जापान, नीदरलैंड, नार्वे, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने इज़राइली सेना द्वारा कलंदिया ट्रेनिंग सेंटर में कथित गैर-कानूनी प्रवेश और पूर्वी यरुशलम में यूएनआरडब्ल्यूए की सुविधाओं पर कब्जे की आलोचना की। यूएनआरडब्ल्यूए सलाहकार आयोग के सदस्य इन देशों ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के परिसरों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकार और प्रतिरक्षा से संबंधित कन्वेंशन का हवाला देते हुए कहा कि इन परिसरों की स्थिति का सम्मान किया जाना चाहिए। संयुक्त बयान में इज़राइल से संयुक्त राष्ट्र के निर्देशों का तुरंत और पूरी तरह से पालन करने की मांग की गई। देशों ने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए को बिना किसी बाधा के अपना निर्धारित मानवीय और अन्य कार्य करने की अनुमति दी जानी चाहिए। बयान में इज़राइल से अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों का सम्मान करने और यूएनआरडब्ल्यूए की गतिविधियों एवं कामकाज में सभी तरह की रुकावटों को बिना देरी रोकने का भी आह्वान किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इज़राइली सेना ने यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों को कलंदिया ट्रेनिंग सेंटर से बाहर निकाल दिया और परिसर पर नियंत्रण कर लिया। इसके बाद सेंटर के आंगन में इज़राइली झंडा भी फहराया गया। इज़राइली सेना के जवान कलंदिया शरणार्थी शिविर और पास के काफ़्र अक़ाब इलाके में भी तैनात रहे। इस दौरान तलाशी अभियान चलाए जाने और फिलिस्तीनियों से पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई। इन घटनाक्रमों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई है। कलंदिया ट्रेनिंग सेंटर में शिक्षा, व्यावसायिक और स्वास्थ्य सुविधाओं के अलावा ट्रेनिंग वर्कशाप, क्लासरूम, डारमेट्री और प्रशासनिक इमारतें मौजूद हैं।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन ने किया बड़ा दावा - रूस के साथ हाथ मिलाना चाहते हैं 30 से अधिक देश

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि दुनिया के करीब 30 देशों ने रूस के साथ

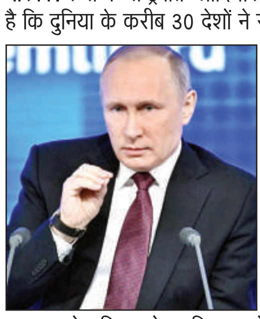

इनोवेशन और तकनीकी सहयोग के लिए प्रस्ताव दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों में यूरोप, उत्तरी अमेरिका और मध्य पूर्व के देश भी शामिल हैं। पुतिन के मुताबिक, रूस अपने भविष्य को सुरक्षित करने और अपनी संप्रभुता को मजबूत करने के लिए नवाचार के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। पुतिन ने निजनी नोवगोरोड में आयोजित स्ट्रान्ग आइडियाज फार ए न्यू एरा फोरम के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। इस वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन एजेंसी फार स्ट्रैटेजिक इनिशिएटिव्स (एएसआई) करती है। इस साल एजेंसी अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रही है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि एएसआई को रूस के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ विदेशों से भी कई इनोवेटिव प्रोजेक्ट के प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से सबसे बेहतर परियोजनाओं को आगे विचार और संभावित क्रियान्वयन के लिए सरकार के सामने रखा जाएगा। पुतिन ने कहा, हमें न केवल रूस के सभी क्षेत्रों से, बल्कि करीब 30 विदेशी देशों से भी प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने बताया कि इन देशों में यूरोप, उत्तरी अमेरिका, मध्य पूर्व और दुनिया के अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए भारत ने भेजी टीम, 10 टन राहत सामग्री भी पहुंची

काठमांडू। नेपाल में भोटेकोसी नदी में आई बाढ़ के कारण रसुवा जिले में जलविद्युत परियोजनाओं की

सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकालने के लिए भारत ने राहत और बचाव अभियान में मदद के लिए एक विशेष तकनीकी टीम नेपाल भेजी है। टीम के साथ जरूरी तकनीकी उपकरण और राहत सामग्री भी नेपाल पहुंचाई गई है। भारत से भेजी गई टीम और तकनीकी सामग्री काठमांडू पहुंचने के बाद भारतीय दूतावास ने इसे नेपाल सरकार को सौंप दिया। नेपाल सरकार के आग्रह पर भारत ने यह विशेषज्ञ टीम और आवश्यक उपकरण भेजे हैं। भोटेकोसी नदी में आई बाढ़ के बाद रसुवा के विभिन्न इलाकों में स्थित जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में मौजूद कर्मचारियों तक पहुंचने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने में राहत एवं बचाव दलों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए नेपाल ने भारत से तकनीकी सहायता मांगी थी। भारत की ओर से भेजी गई टीम सुरंगों में बचाव अभियान के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और उपकरणों के साथ नेपाल पहुंची है। साथ ही नेपाल के लिए करीब 10 टन राहत सामग्री भी भेजी है। यह सामग्री प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

इस्लामिक नाटो से दूर क्यों हुआ बांग्लादेश, प्रो. मो. शरीफुल ने गिनाए पांच कारण

ढाका। बांग्लादेश में इन दिनों यह बहस जोरों पर है कि क्या देश को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देशों के प्रस्तावित इस्लामिक नाटो, जिस मक्का संयुक्त रक्षा समझौता कहा जा रहा है, में शामिल होना चाहिए। ढाका के राजशाही विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध के विशेषज्ञ प्रो.मो. शरीफुल इस्लाम ने अपनी गहन राय व्यक्त की है। उनका तर्क है कि विदेश नीति संबंधी निर्णय भावनाओं के बजाय तथ्यों और सावधानीपूर्वक किए गए विश्लेषण पर होने चाहिए, जैसा कि रैशनल एक्टर माडल सुझाता है। उन्होंने दृढ़ता से कहा है कि इस समझौते में शामिल होना बांग्लादेश के सर्वोत्तम हित में नहीं है, और इसके पीछे उन्होंने पाँच प्रमुख कारण बताए हैं। पहला प्रो. इस्लाम पूछते हैं कि किसी रक्षा समझौते में शामिल होने का सबसे पहला आधार किसी गंभीर बाहरी सैन्य खतरे का होना है। उनके अनुसार, बांग्लादेश के सामने ऐसा कोई स्पष्ट और गंभीर बाहरी सैन्य खतरा नहीं है जिसके लिए इस तरह के सैन्य गठबंधन की जरुरत पड़े। दूसरा, इस्लामिक नाटो का सिद्धांत है कि एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा। इस स्थिति में, यदि भविष्य में भारत और पाकिस्तान किसी संघर्ष में फंसते हैं, तब क्या बांग्लादेश को भारत से युद्ध लड़ने के लिए मजबूर हो सकेगा प्रो. इस्लाम सवाल उठाते हैं कि बांग्लादेश ऐसी जिम्मेदारी क्यों ले।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले हफ्ते करेंगे त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास

सियोल

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले महीने की शुरुआत में एक बार फिर संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे। दक्षिण कोरिया के जाइंट चीफ्स आफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि तीनों देशों का बहु-क्षेत्रीय फ्रीडम एज सैन्य अभ्यास 7 से 11 सितंबर तक दक्षिण कोरिया के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा।

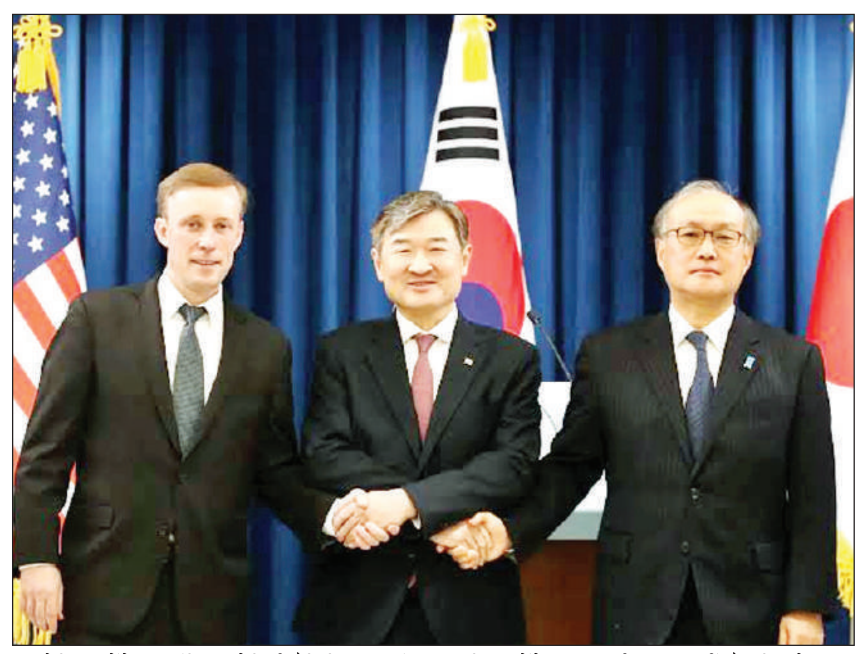

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने जेसीएस के हवाले से बताया कि यह अभ्यास जेजू द्वीप के पूर्व और दक्षिण में समुद्री क्षेत्र में होगा। इसमें तीनों देशों की सेनाओं के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त संचालन और आपसी समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। जेसीएस ने कहा कि फ्रीडम एज अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है और तीनों देश इसे हर साल उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित करते हैं।

यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को लेकर अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच सुरक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि, फ्रीडम एज के आयोजन को लेकर दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने पिछले सप्ताह अपना द्विपक्षीय उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) सैन्य अभ्यास कम कर दिया था। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश के बाद लिया गया था। इसे उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने और कूटनीतिक संपर्क की संभावनाओं को बढ़ाने के संकेत के तौर पर भी देखा गया।

यूएफएस के दायरे में बदलाव के बाद यह सवाल उठ रहा था कि क्या अमेरिका और दक्षिण कोरिया इस साल जापान के साथ अपनी त्रिपक्षीय सैन्य ड्रिल आयोजित करेंगे। हालांकि, अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने इस सप्ताह योनहाप समाचार एजेंसी को बताया कि तीनों देश फ्रीडम एज की तैयारियों के लिए समन्वय कर रहे हैं। प्योंगयांग लंबे समय से दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाले सैन्य अभ्यासों की आलोचना करता रहा है। उत्तर कोरिया इन ड्रिल को संभावित हमले की तैयारी बताता है और सहयोगी देशों के इस दावे को खारिज करता है कि ये अभ्यास केवल रक्षात्मक प्रकृति के हैं।

ट्रंप ने भी पेंटागन को यूएफएस अभ्यास में बदलाव करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा था कि इस तरह की सैन्य ड्रिल उत्तर कोरिया को अनुचित और शत्रुतापूर्ण संदेश दे सकती हैं। यह रुख ऐसे समय सामने आया था जब ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा जताई थी।

आगामी फ्रीडम एज अभ्यास में अमेरिका की ओर से कौन-कौन से प्रमुख सैन्य संसाधन और प्लेटफार्म शामिल होंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पिछले साल आयोजित अभ्यास में अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल नहीं हुआ था। यह पहली ड्रिल के बाद ऐसा पहला मौका था, जब अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप इसमें शामिल नहीं हुआ। उस समय अमेरिकी नौसैनिक संसाधनों की मध्य पूर्व में तैनाती को इसकी वजह माना गया था।

फ्रीडम एज अभ्यास अगस्त, 2023 में अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं के बीच हुए कैंप डेविड शिखर सम्मेलन के प्रमुख नतीजों में से एक था। इसका उद्देश्य तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को अधिक संस्थागत और नियमित बनाना है। अब तक फ्रीडम एज के तीन अभ्यास जून और नवंबर 2024 तथा पिछले साल सितंबर में आयोजित किए जा चुके हैं।

नए अभ्यास के साथ अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।

पीओके के 17वें प्रधानमंत्री बने इफ़्तिख़ार गिलानी, शपथ के बाद भारत पर साधा निशाना

मुज़फ़्फ़राबाद

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के नेता इफ़्तिख़ार गिलानी ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) के 17वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। मुज़फ़्फ़राबाद स्थित पीओके विधानसभा में आयोजित समारोह में उन्होंने पद की शपथ लेने के बाद सदन को अपना पहला संबोधन दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने भाषण में गिलानी ने भारत के खिलाफ तीखी बयानबाजी की और कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत पर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री पद के लिए हुए चुनाव में इफ़्तिख़ार गिलानी को 30 वोट मिले, जबकि पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के उम्मीदवार सरदार मुख़्तार खान को 14 वोट हासिल हुए। गिलानी पहली बार 2011 में पीओके विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह पीओके सरकार में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। इस बार वह टेक्नोक्रेट्स के लिए आरक्षित सीट से विधानसभा पहुंचे हैं।

जिओ न्यूज के मुताबिक, विधानसभा में अपने पहले संबोधन के दौरान गिलानी ने कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के तहत कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार से जोड़ते हुए भारत की आलोचना की। उन्होंने 5 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर के संबंध में उठाए गए कदमों का भी विरोध किया।

गिलानी ने दावा किया कि कानून बनाकर कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने पाकिस्तान और कश्मीर के संबंधों को लेकर कहा, पाकिस्तान कश्मीर के बिना अधूरा है और कश्मीर भी पाकिस्तान के बिना अधूरा है।

उन्होंने पाकिस्तान सेना और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर का भी आभार जताया। इसके अलावा प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, पीएमएल-एन प्रमुख नवाज़ शरीफ़ और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ को धन्यवाद दिया।

इफ़्तिख़ार गिलानी ने कहा कि उनकी सरकार पीओके में विकास और शासन के क्षेत्र में उसी तरह बदलाव लाने की कोशिश करेगी, जैसा पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ के नेतृत्व में पंजाब में किया गया है।

उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था में सुधार, युवाओं के लिए कौशल आधारित शिक्षा और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने का वादा किया। गिलानी ने सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता के लिए नेशनल टेस्टिंग सर्विस (एनटीएस) की तर्ज पर थर्ड-पार्टी भर्ती प्रणाली शुरू करने की योजना का भी ऐलान किया।

नए प्रधानमंत्री ने पीओके को डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने की बात कही। उन्होंने लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए डिजिटल सिटिज़न पोर्टल शुरू करने की योजना भी बताई।

तनाव के बीच अमेरिकी हलचलः होर्मुज में ईरान की माइंस साफ

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच, वाशिंगटन ने पश्चिम एशिया में अपनी नौसैनिक उपस्थिति मजबूत करने की तैयारी की है। अमेरिकी नौसेना जल्द ही क्षेत्र में एक और विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर तैनात करने वाली है, साथ ही अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा बिछाई गई समुद्री माइंस को सफलतापूर्वक हटाने का दावा किया है। अमेरिकी नौसेना संस्थान (यूएसएनआई) की रिपोर्ट के अनुसार, यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट स्ट्राइक ग्रुप अगले कुछ हफ्तों में सैन डिएगो से रवाना होगा और सात महीने से अधिक समय तक तैनात रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में पहले से मौजूद अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को राहत देना है। हाल ही में, यूएसएस जार्ज वाशिंगटन ने जापान से आकर यूएसएस अब्राहम लिंकन की जगह ली है, जो नवंबर 2025 से समुद्र में तैनात था। लिंकन के लंबे मिशन के दौरान कठिन परिस्थितियों और तनाव, यहां तक कि आत्महत्या के प्रयासों की खबरें भी सामने आई थीं। अब लिंकन थाईलैंड में पोर्ट काल के लिए जाएगा। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सैटकाम) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक महत्वपूर्ण दावा किया है।

मानवाधिकार पश्चिमी देशों के हाथों में राजनीतिक हथियार बन गए हैं: अराघची

तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पश्चिमी देशों पर मानवाधिकारों के मुद्दे को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के हाथों में मानवाधिकार एक राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इनका इस्तेमाल अपने हितों को साधने के लिए किया जा रहा है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

के मुताबिक, अराघची ने ये बयान तेहरान में आयोजित मिनाब स्कूल पेंटिंग प्रदर्शनी के दौरान दिया। प्रदर्शनी में गत 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इज़राइल युद्ध के पहले दिन मिनाब में एक स्कूल पर हुए हमले से जुड़ी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर दूसरे देश मानवाधिकारों के वास्तविक अर्थ को देखना और समझना चाहते हैं तो उन्हें इस प्रदर्शनी का दौरा करना चाहिए और यहां प्रदर्शित कलाकृतियों को समझना चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनी की ओर इशारा करते हुए कहा, मानवाधिकार यहां हैं। अराघची के मुताबिक, प्रदर्शनी में मौजूद चित्र उस घटना और उसके मानवीय प्रभाव को सामने लाते हैं।

अराघची ने दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के शजरे तैय्यबेह स्कूल पर हुए हमले का उल्लेख किया। उनके मुताबिक, जब स्कूल में 264 छात्र कक्षाओं में मौजूद थे, तब मिसाइल हमले किए गए।

ईरानी विदेश मंत्री के दावे के अनुसार, इस हमले में 7-12 वर्ष की उम्र के 168 छात्र-छात्राओं और 26 शिक्षकों की मौत हुई, जबकि 96 से अधिक लोग घायल हुए। हालांकि, इन आंकड़ों और हमले की परिस्थितियों को लेकर स्वतंत्र स्रोतों से तत्काल पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान ने मिनाब स्कूल के बच्चों को खो दिया, लेकिन वे ईरानी लोगों के लिए वीरता की मिसाल बन गए हैं। उन्होंने कहा, मिनाब स्कूल और उसके बच्चे ईरानी लोगों के लिए एक

महागाथा बन गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान इस घटना को न तो भूलेगा और न ही इसे नजरअंदाज करेगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रदर्शनी को दूसरे देशों में भी ले जाया जा सकता है, बशर्ते वे इसे प्रदर्शित करने की अनुमति दें और मानवाधिकारों से जुड़े कथित अन्याय के परिणामों को देखने का साहस दिखाएं। ईरान के विदेश मंत्री ने मानवाधिकारों के मुद्दे पर अपने देश के रुख को स्पष्ट बताते हुए कहा कि ईरान सचमुच मानवाधिकारों में विश्वास करता है और उसने हमेशा ईरानी लोगों के अधिकारों की रक्षा की है। अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान दूसरे देशों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए मानवाधिकारों के मुद्दे का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा।

पश्चिम के साथ 2022 से पहले वाले संबंध अब संभव नहीं : रूसी विदेश मंत्री

मास्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मास्को में इस सप्ताह हुई हाई-लेवल कूटनीतिक गतिविधियों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने वेटिकन के वरिष्ठ राजनयिक आर्कबिशप पाल रिचर्ड गैलाघर के साथ हुई बातचीत की जानकारी साझा की, जबकि सीआईए डायरेक्टर जान रैटक्लिफ के रूस दौरे को लेकर उन्होंने बेहद सीमित जानकारी दी।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) - के मुताबिक, गैलाघर और रैटक्लिफ दोनों इस सप्ताह मास्को पहुंचे थे। इन दौरों को लेकर पूछे गए सवाल पर लावरोव ने कहा कि दोनों मामलों में मास्को आने वाले प्रतिनिधियों ने खुद बातचीत की इच्छा जताई थी।

लावरोव ने बताया कि आर्कबिशप गैलाघर के साथ उनकी बातचीत मुख्य रूप से यूक्रेन संघर्ष पर केंद्रित रही। उनके मुताबिक, वेटिकन के प्रतिनिधि ने युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करने की इच्छा दोहराई और मानवीय मुद्दों पर सहयोग जारी रखने की पेशकश की। इसमें कैदियों और मृतकों के शवों की अदला-बदली जैसे मुद्दे भी शामिल थे।

लावरोव ने बातचीत के दौरान यूक्रेन संघर्ष से जुड़े कई पुराने कूटनीतिक समझौतों का भी जिक्र किया। उन्होंने 2014 के समझौते, मिन्स्क समझौतों और 2022 में इस्तांबुल में हुई बातचीत का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम और यूक्रेन ने पहले हुए समझौतों का सम्मान नहीं किया।

लावरोव ने कहा कि रूस की ओर से सद्भावना की कोई कमी नहीं थी और उनका मानना है कि वेटिकन के प्रतिनिधि रूसी पक्ष की स्थिति को समझ गए होंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा संपर्क रेखा पर तत्काल युद्धविराम के लिए पश्चिमी देशों का दबाव संघर्ष को अस्थायी रूप से रोक सकता है, लेकिन इससे स्थायी समाधान हासिल नहीं होगा।

उन्होंने ब्रिटेन और फ्रांस के नेतृत्व में प्रस्तावित

स्टेबिलाइजेशन फोर्स का भी विरोध किया। लावरोव का आरोप है कि ऐसी किसी तैनाती से यूक्रेन की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था को समर्थन मिल सकता है।

सीआईए डायरेक्टर जान रैटक्लिफ के मास्को दौरे को लेकर लावरोव ने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। उन्होंने कहा कि मैं वहां नहीं था। उन्होंने बताया कि खुफिया एजेंसियां आम तौर पर स्थापित और विशेष चैनलों के जरिए संपर्क करती हैं और इस तरह की बातचीत का सार्वजनिक न होना असामान्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि संवेदनशील मुद्दों पर चल रही बातचीत की जानकारी सार्वजनिक करना संभावित समझौतों और सहमति की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचा सकता है। उनके मुताबिक, राजनयिक भी कई बार पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं। लावरोव ने कहा कि रूस पश्चिमी देशों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन अब मास्को को सार्वजनिक आश्वासनों या बातचीत के दौरान हुए समझौतों के पूरी तरह लागू होने पर पहले जैसा भरोसा नहीं है। उन्होंने पश्चिमी कूटनीति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रूस के अनुभव के आधार पर पश्चिमी देशों के साथ हुए कई समझौते और आश्वासन बाद में कमजोर पड़ गए। जब उनसे पूछा गया कि रूस ने पश्चिमी देशों पर इतना भरोसा क्यों किया, तो लावरोव ने कहा कि रूसी लोग किसी पर भरोसा करते हैं तो आखिर तक भरोसा करते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अब वह दौर समाप्त हो चुका है और फरवरी 2022 से पहले जैसी रूस-पश्चिम संबंधों की स्थिति में लौटना मुश्किल है।

लावरोव ने पिछले साल एंकरेज में हुई रूस-अमेरिका उच्चस्तरीय बैठक का भी उदाहरण दिया। उन्होंने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकाफ के साथ अमेरिकी शांति प्रस्ताव के सभी प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की थी। लावरोव के मुताबिक, रूस ने कुछ शेष मुद्दों के बावजूद प्रस्ताव को स्वीकार करने की इच्छा दिखाई थी। उन्होंने सवाल किया कि अगर इसे समझौता नहीं माना जाए तो फिर समझौते की परिभाषा क्या होगी। हालांकि, अमेरिका ने इस व्याख्या से असहमति जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जून में कहा था कि एंकरेज में एक प्रस्ताव जरूर था, लेकिन कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी । अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड रहेगी । आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें । जीवनसाथी की आवश्कताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है । युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बह हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। आज बेरोजगारी दूर होगी धन आने के नये स्त्रोत बनेंगे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी । सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है। बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की । सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मकर रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग–व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव–पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन–हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल नही हैं । किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्ग का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आवश्यकता नही हैं धैर्य से काम लेना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए । अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं । किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म–कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अगस्त 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 09:23 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 03:45 तक
योग : शूल रात्रि 03:45 तक
करण : गर प्रातः 09:39 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:01 ,सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्वाफाल्गुनी में रवि रात्रि 03:43 से , गण्डमूल रात्रि 03:45 से , भद्रा रात्रि 09:18 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का 12वां संस्करण 1 सितंबर से

एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के लिए 132 गोल्फर मैदान में उतरेंगे

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में पेशेवर गोल्फ को आधिकारिक मान्यता देने वाली संस्था डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया की ओर से तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2026 का 12वां संस्करण 1 से 4 सितंबर तक हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये रखी गई है।

टूर्नामेंट की संयुक्त घोषणा तेलंगाना सरकार के मद्यनिषेध एवं आबकारी, पर्यटन एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव और डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने शनिवार को हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की।

प्रतियोगिता में कुल 132 गोल्फर हिस्सा लेंगे। आयोजन को तेलंगाना पर्यटन, हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन, द वेस्टिन हैदराबाद माइंडस्पेस, द क्यू गोल्फ स्टूडियो बाय प्लेरूट गोल्फ सहित विभिन्न साझेदारों का सहयोग प्राप्त है। तेलंगाना सरकार वर्ष 2015 में टूर्नामेंट की शुरुआत से ही इसे समर्थन देती आ रही है।

देश–विदेश के दिग्गज गोल्फर मैदान में

टूर्नामेंट में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के शीर्ष खिलाड़ी सप्तक तलवार के अलावा हनी बैसोया, वीर अहलावत, राशिद खान, अक्षय शर्मा और ओम प्रकाश चौहान जैसे प्रमुख भारतीय पेशेवर गोल्फर चुनौती पेश करेंगे।

विदेशी खिलाड़ियों में बांग्लादेश के गत विजेता जमाल हुसैन और बादल हुसैन, चेक गणराज्य के स्टेपन डानेक, श्रीलंका के एन. थंगराजा और मिथुन परेरा, नेपाल के सुभाष तमांग, युगांडा के जोशुआ सील तथा जापान के कोइचिरो इशिका और ताइगा तनाका शामिल हैं।

स्थानीय चुनौती की अगुवाई हैदराबाद के पेशेवर गोल्फर मोहम्मद अजहर, विशेष शर्मा और रुपिंदर सिंह गिल करेंगे।

विश्व रैंकिंग के अंक भी दांव पर

यह टूर्नामेंट रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसी प्रतियोगिता के माध्यम से डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के नंबर एक खिलाड़ी का निर्धारण किया जाता है। इसके अलावा डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के शीर्ष 24 खिलाड़ियों का चयन भी इसी प्रक्रिया के तहत होगा, जो सत्र के अंत में आयोजित होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में स्थान हासिल करेंगे।

मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स भारतीय गोल्फ कैलेंडर में महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग के अंक और देश–विदेश के प्रमुख पेशेवर गोल्फरों की भागीदारी तेलंगाना की पर्यटन क्षमता को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का बेहतर अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि इतिहास, विरासत, संस्कृति और आधुनिकता का संगम हैदराबाद गोल्फ पर्यटन के लिए अपार संभावनाएं रखता है। ऐतिहासिक गोलकोंडा किले की पृष्ठभूमि में स्थित हैदराबाद गोल्फ क्लब इस चैंपियनशिप को विशिष्ट परिवेश प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार का पर्यटन विभाग गोल्फ पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य को देश–विदेश के पर्यटकों के पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए इस साझेदारी को आगे भी जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का 12वां संस्करण आयोजन संस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने टूर्नामेंट के निरंतर सहयोग के लिए तेलंगाना पर्यटन और शानदार आयोजन स्थल उपलब्ध कराने के लिए हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मजबूत खिलाड़ी समूह और हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन द्वारा उपलब्ध कराई गई बेहतरीन खेल परिस्थितियों के बीच इस बार भी कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। यह टूर्नामेंट तेलंगाना और हैदराबाद को गोल्फ पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

212 एकड़ में फैला है हैदराबाद गोल्फ क्लब

हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन के कप्तान जसविंदर सिंह बिरगी ने कहा कि प्रतिष्ठित तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स की मेजबानी करना एसोसिएशन के लिए गर्व की बात है।

देश के बेहतरीन गोल्फ खिलाड़ियों का स्वागत करने के साथ ही यह टूर्नामेंट सदस्यों को उच्चस्तरीय प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देता है।

तेलंगाना पर्यटन विकास निगम और हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन द्वारा विकसित 212 एकड़ में फैले परिसर में 18–होल, 6,017 गज का पार–70 गोल्फ कोर्स है। यहां रोशनी से सुसज्जित ड्राइविंग रेंज, प्रो शॉप, गोल्फ फिटिंग शॉप तथा प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध हैं। आधुनिक क्लब हाउस में भोजन कक्ष, लाउंज, खुले डेक, चेंज रूम और प्रशिक्षित कर्मचारियों की सुविधाएं भी हैं।

राष्ट्रीय पर्यटन विभाग द्वारा प्रदान किया गया 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन–अनुकूल गोल्फ कोर्स' पुरस्कार भी हैदराबाद गोल्फ क्लब की सुविधाओं और अनुभव की पुष्टि करता है। क्लब के 18 चुनौतीपूर्ण होल खिलाड़ियों को दक्कन की विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के करीब ले जाते हैं, जहां गोलकोंडा किला और नया किला प्रमुख आकर्षण हैं।

पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था का पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित मार्गदर्शनी सोसाइटी में बेगमपेट के ए.सी.पी. पी. गोपाला कृष्ण मूर्तिजी एवं सी.आई. पी. पी. साईदुलुजी ने एस.आई. साहेब एवं अपनी टीम के साथ पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रमेश पी. तातेड ने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने सड़क पर वाहनों की पार्किंग से होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी परिसर एवं आसपास उचित पार्किंग स्थलों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सोसाइटी पदाधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।निरीक्षण के दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष अविनाश भंडारी, सचिव राजकुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव सत्यनारायण मूंदड़ा, रमेश पी. तातेड, अजित दोषी, दिनेश जैन एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।पुलिस अधिकारियों एवं सोसाइटी पदाधिकारियों ने क्षेत्र में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी विचार–विमर्श किया।

मानव सेवा ही माधव सेवा, अन्नदान से समाज में सेवा और संवेदना का संदेश : ज्योति अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ज्योति अग्रवाल ने कहा कि माधव सेवा ही मानव सेवा है। जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तो वास्तव में हम मानवता की सेवा के साथ–साथ माधव की सेवा भी करते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में करुणा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत कर रहे हैं। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना एक पुनीत कार्य है और इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। सेवा का वास्तविक अर्थ तभी है, जब उसमें किसी प्रकार का स्वार्थ न हो और मन में केवल मानव कल्याण की भावना हो।

ज्योति अग्रवाल ने कहा कि अन्न का दान सबसे महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना उसके जीवन में तत्काल राहत पहुंचाता है। राधे–राधे ग्रुप के सेवा केंद्रों पर नियमित रूप से होने वाला अन्नदान समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बन रहा है। उन्होंने ग्रुप के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के सेवा समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, महेश गोयल, लता गोयल सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य एवं सेवा सहयोगी उपस्थित रहे।

मंचेरियाल सरकारी अस्पताल में चार साल से बंद आंखों की सर्जरी, मरीजों को भटकना पड़ रहा

मंचेरियाल, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के सरकारी जनरल अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन की सुविधा पिछले चार वर्षों से बंद है। सुविधा दोबारा शुरू करने की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को निजी अस्पतालों अथवा पड़ोसी जिलों का रुख करना पड़ रहा है।

अस्पताल का भवन जर्जर हालत में पहुंच चुका है। संबंधित कक्ष को असुरक्षित बताए जाने के बाद एक सहायक प्राध्यापक की आपत्ति पर आंखों की सर्जरी बंद कर दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि नया भवन तैयार होने तक सर्जरी शुरू करना संभव नहीं है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 50 से 60 मरीज आंखों की जांच के लिए पहुंचते हैं। इनमें लगभग 15 से 20 मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता होती है। अस्पताल में आंखों की जांच के लिए आवश्यक उपकरण और विशेषज्ञ कर्मचारी उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को जांच और दवाइयां देकर वापस भेज दिया जाता है। सरकारी अस्पताल में आंखों की सर्जरी नहीं होने के कारण हजारों मरीज निजी और कॉरपोरेट अस्पतालों में हजारों रुपये खर्च करने को मजबूर हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे मरीज स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा आयोजित विशेष चिकित्सा शिविरों पर निर्भर हैं।

अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर जांच के बाद ऑपरेशन की जरूरत बताने के बावजूद सरकारी स्तर पर सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को अन्य स्थानों पर उपचार कराने की सलाह दे रहे हैं।

जिले में वर्ष 2025–26 के दौरान कुल 6,887 आंखों के ऑपरेशन हुए। इनमें से 1,284 ऑपरेशन स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से किए गए, जबकि 5,603 ऑपरेशन निजी अस्पतालों में हुए। सरकारी जनरल अस्पताल में आंखों का एक भी ऑपरेशन नहीं हुआ।

मरीजों का कहना है कि कभी दूसरे जिलों से लोग इलाज के लिए मंचेरियाल आते थे, लेकिन अब यहां के मरीजों को ही सर्जरी के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाना पड़ रहा है। लोगों ने जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य अधिकारियों से सरकारी अस्पताल में आंखों की सर्जरी सुविधा तत्काल बहाल करने की मांग की है।

जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने श्रीश्री रविशंकरजी से की सौहार्दपूर्ण भेंट

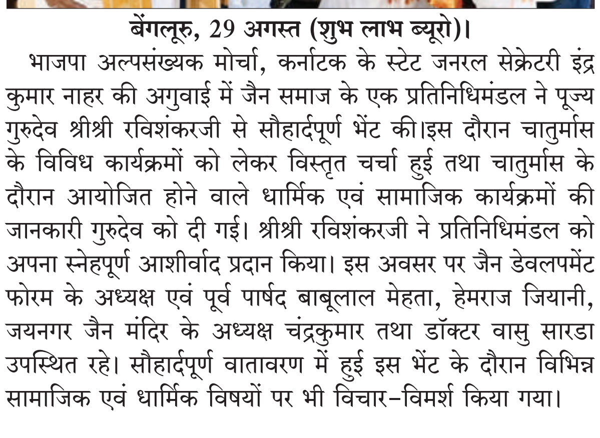

बेंगलूरु, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, कर्नाटक के स्टेट जनरल सेक्रेटरी इंद्र कुमार नाहर की अगुवाई में जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रविशंकरजी से सौहार्दपूर्ण भेंट की।इस दौरान चातुर्मास के विविध कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई तथा चातुर्मास के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी गुरुदेव को दी गई। श्रीश्री रविशंकरजी ने प्रतिनिधिमंडल को अपना स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर जैन डेवलपमेंट फोरम के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद बाबूलाल मेहता, हेमराज जियानी, जयनगर जैन मंदिर के अध्यक्ष चंद्रकुमार तथा डॉक्टर वासु सारडा उपस्थित रहे। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस भेंट के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

रक्षाबंधन पर सीयूएसबी में हुआ वृक्षारोपण

पटना, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षाबंधन के अवसर पर दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में मधुवन कैफेटेरिया परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने कदम्ब के पौधे लगाए तथा वृक्षों की रक्षा का संकल्प लिया।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने 'मां के नाम एक पेड़' लगाने की अपील करते हुए कहा कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में प्रॉक्टर प्रो. प्रणव कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. शांतिगोपाल पाइन, प्रो. बुधेंद्र कुमार सिंह, प्रो. मंगलेश कुमार मंगलम, प्रो. अबोध कुमार, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. आतिश कुमार दास, डॉ. अभय कुमार, डॉ. अमृता श्रीवास्तव, डॉ. विकल कुमार सिंह, श्रीमती रेनू, श्री प्रतीश कुमार दास, श्री शशि रंजन सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पेद्दापल्ली में नीट–पीजी परीक्षा की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

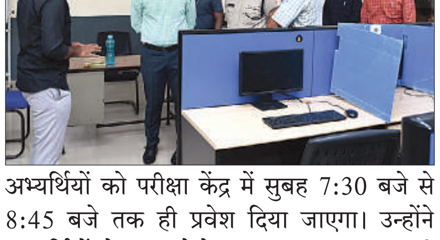

पेद्दापल्ली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 30 अगस्त को जिले में आयोजित होने वाली नीट–पीजी 2026 परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। शनिवार को कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने पुलिस उपायुक्त राम रेड्डी के साथ पेद्दापल्ली मंडल के मदर टेरेसा इंजीनियरिंग कॉलेज, बंदरकुंटा के निकट ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज तथा रामागिरी मंडल की सेंटेनरी कॉलोनी स्थित जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में परीक्षा की तैयारियों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बताया कि नीट–पीजी 2026 परीक्षा 30 अगस्त को सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में सुबह 7:30 बजे से 8:45 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने अभ्यर्थियों से मूल फोटो पहचान पत्र, मूल स्थायी अथवा अस्थायी एमबीबीएस योग्यता प्रमाणपत्र तथा उसकी स्वयं सत्यापित छायाप्रति साथ लाने की अपील की। प्रवेश पत्र निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एक ही ए–4 आकार के कागज पर रंगीन रूप में आगे–पीछे मुद्रित होना चाहिए।

जानिये राशि के अनुसार आपको किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिये

मेष

मेष राशि का मालिक मंगल है। इसलिए अपने मंगल गृह को मजबूत करने के लिए मेष राशि वालों को भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

वृष

वृष राशि का गृह शुक्र है इसलिए वृष राशि वालों को लक्ष्मी के पूजा करनी चाहिए।

मिथुन

मिथुन राशि का मालिक गृह बुध है। बुध के देवता 'श्रीमननारायण' हैं। इसलिए बुध राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की आराधना करनी चाहिए।

कर्क

कर्क राशि का मालिक गृह चंद्रमा है। देवी गौरी चंद्रमा की देवी हैं। गौरी शांति और दया की देवी हैं इसलिए यदि आपकी राशि कर्क है तो आपको अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए देवी गौरी की पूजा करनी चाहिए।

सिंह

सिंह राशि का मालिक गृह सूर्य है और इस गृह के मालिक देवता भगवान शिव हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान है, अत: सिंह राशि वाले अपने भजनों और पूजा से भगवान शिव को रिझाएँ।

कन्या

कन्या राशि का गृह बुध है। विष्णु के अवतार भगवान 'श्रीमननारायण' बुध गृह के मालिक हैं, इसलिए कन्या राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की पूजा करनी चाहिए।

तुला

तुला राशि का मालिक शुक्र गृह है और शुक्र गृह की स्वामी देवी लक्ष्मी हैं। इसलिए आप देवी लक्ष्मी की आराधना करें, इससे सौभाग्य और धन-धान्य की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि का मालिक गृह भी मंगल है। इसलिए वृश्चिक राशि वालों को अपना मंगल मजबूत करने के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

धनु

धनु राशि का स्वामी वृहस्पति गृह है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं जो कि भगवान शिव के अवतार हैं, ये ज्ञान और बुद्धि के देवता है। इसलिए इनका प्रभाव प्राप्त करने के लिए धनु राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

मकर

इस राशि का स्वामी मंगल है। इसलिए मकर राशि वालों को भी सुख-समृद्धि के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

कुंभ

कुंभ राशि का स्वामी भी मंगल है। भगवान शिव मंगल के मालिक हैं, इसलिए कुंभ राशि वालों को पवित्र मन से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

मीन

धनु राशि का मालिक गृह वृहस्पति है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं इसलिए मीन राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

रविवार को ना खाएं ये 5 वस्तुएं, वरना सूर्य देव का प्रकोप होगा आप पर

मसूर

मसूर में बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांस में पाए जाने वाले प्रोटीन की तुलना में भी बहुत अधिक होता है। अत: इसे 'देव भोग' अर्थात भगवान के प्रसाद के रूप में नहीं खाया जा सकता।

लाल साग

रविवार के दिन लाल साग खाना अशुभ माना गया है क्योंकि इस तरह के मिश्रित अल्पकालिक बारहमासी पौधे को वैष्णव धर्म में मृत्यु का प्रतीक माना गया है।

लहसुन

हालाँकि लहसुन ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए अच्छा माना गया है परन्तु इसे रविवार के दिन नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे मृत व्यक्ति के पसीने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

मछली

यद्यपि मछली प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है परन्तु रविवार के दिन इसे न खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह मांस है।

प्याज

प्याज एक प्रमुख सब्जी है तथा लगभग प्रत्येक घर में पाई जाती है। रविवार के दिन प्याज का सेवन करना अशुभ माना जाता है तथा इसे भगवान सूर्य को भी नहीं चढाया जा सकता।

कारण

जानिये कि रविवार के दिन इन 5 वस्तुओं का सेवन करना क्यों अशुभ माना जाता है। आजकल के समय में गौ हत्या को बहुत ही अधार्मिक माना जाता है परन्तु प्राचीन काल में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं था।

गौमेद यज्ञ (1)-

ऐसा माना जाता है कि हिंदू कथाओं में गौमेद यज्ञ का उल्लेख मिलता है जिसमें गाय की बलि को एक अनुष्ठान माना जाता था। इसे बलवर्धक माना जाता था। एक बार एक साधु गौमेद यज्ञ करने का विचार करता है जिसमें सुबह गाय की बलि चढाकर उसे शाम तक पुनर्जीवित करने का प्रावधान होता है।

गौमेद यज्ञ (2)-साधु के पत्नी बहुत अधिक कमजोर थी। वह भूख सहन नहीं कर पाई। बहुत दिनों से वे फल और कंदमूल खाकर जीवन यापन कर रहे थे अत: उसने मारी हुई गाय के शरीर से एक टुकडा निकालकर उसे पकाने का निश्चय किया। परन्तु साधु की पत्नी को मांस की गंध सहन नहीं हुई अत: उसने मांस के टुकडे को जंगल में फेंक दिया जो बाद में दो टुकडों में विभक्त हो गया।

गौमेद यज्ञ (3)-बाद में जब शाम को साधु ने गाय को पुनर्जीवित किया तो जंगल में पडे हुए टुकडे भी पुनर्जीवित हो गए। पहला टुकडा जो जमीन पर गिरा था वह लहसुन बन गया और दूसरा टुकडा जो पास के तालाब में गिरा था वह मछली बन गया। जमीन पर पडी हुई रक्त की बूँदें मसूर की दाल में परिवर्तित हो गया और त्वचा प्याज के रूप में बदल गयी और हड्डियां लाल साग बन गयी।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है। इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है । इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे। इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है

इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। फेंगशुई चीन की वास्तुकला मानी जाती है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। जिस प्रकार भारतीय वास्तु शास्त्र में प्रकृति के पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल और आकाश को महत्व दिया गया है, उसी प्रकार फेंगशुई में पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल और लकडी को महत्व दिया गया है। दोनों में मूलभूत अंतर यह है कि फेंगशुई में भारतीय वास्तु शास्त्र के तत्व वायु और आकाश की जगह लकडी और धातु को लिया गया है।

1.यदि आपको लग रहा है कि आपकी कमाई के सारे स्त्रोत बंद हो गए हैं तो तीन रंगों वाले फेंगशुई मेंढक (जिसके मुंह में सिक्के लगे हों) अपने घर में रखें। उसे इस तरह रखें कि उसकी पूरी दृष्टि आपके घर की ओर हो। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होगी और आपकी आय के नए दरवाजे खुलेंगे।

2.घर के मुख्य दरवाजे पर लाल रिबन में बंधे हुए फेंगशुई के 3 सिक्के लटकाने चाहिए। इससे घर में धन और समृद्धि आती है। सिर्फ तीन ही सिक्के लटकाएं और उन्हें दरवाजे के भीतर की ओर रखें। बाहर की ओर सिक्के लगाने से लक्ष्मी द्वार के बाहर ही ठिठक जाती है। सिक्के हमेशा मुख्य दरवाजे पर ही लगाएं।

3.फेंगशुई में कछुए को भी बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है। ध्यान रहे कि कछुए को ऑफिस या घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए। कछुए को रखते समय उसका चेहरा अंदर की ओर होना चाहिए। कछुए को कभी जोडे में नहीं रखना चाहिए।

4.फेंगशुई के नियम के अनुसार कछुआ कभी भी शयन कक्ष में नहीं रखना चाहिए। इसे रखने के लिए सबसे बेहतर स्थान घर का ड्राइंग रूम है।

5.कछुए को सूखे स्थान पर रखने के बजाय किसी बर्तन में पानी भर कर रखना चाहिए।

6.आर्थिक सफलता और कामयाबी के लिए घर में लाफिंग बुद्ध भी रखना चाहिए। इन्हें अपने घर में मुख्य द्वार से तिरछी तरफ रखें। बुद्ध समृद्धि के देव हैं। इनकी मुस्कान से घर में सुख और समृद्धि आती है।

क्यों है सभी मंत्रों में ये मंत्र इतना दिव्य और चमत्कारी

मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है। सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। कुछ मंत्र जप एक ऐसा उपाय है जिससे माना जाता है कि कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मंत्रों की शक्ति से सभी भलीभांति परिचित हैं। मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है।

गायत्री मंत्र:- ऊँ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो
यो नः प्रचोदयात्त।

मंत्र का अर्थ: सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते है, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।

सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। इस जप से बहुत जल्द परिणाम प्राप्त हो जाते हैं। गायत्री मंत्र विद्या का प्रयोग भगवान की भक्ति, ब्रह्मज्ञान प्राप्ति, दैवीय कृपा प्राप्त करने के साथ ही सांसारिक एवं भौतिक सुख-सुविधाओं, धन प्राप्त करने की इच्छा के लिए भी किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र को वेदों को सर्वश्रेष्ठ मंत्र बताया गया है। इस मंत्र जप के लिए तीन समय बताए गए हैं। पहला सुबह सुर्योदय, मंत्र जप के लिए दूसरा समय है दोपहर मध्यान्ह का। तीसरा समय है शाम को सूर्यास्त के कुछ देर पहले मंत्र जप शुरू करके सूर्यास्त के कुछ देर बाद तक जप करना चाहिए। इन तीन समय के अतिरिक्त यदि गायत्री मंत्र का जप करना हो तो मौन रहकर या मानसिक रूप से जप करना चाहिए। शास्त्रों में इसके जाप की विधि विस्तृत रूप से दी गई हैं। इस मंत्र को जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना श्रेष्ठ होता है। इस के जप से उत्साह एवं सकारात्मकता, त्वचा में चमक आती है, तामसिकता से घृणा होती है, परमार्थ में रूचि जागती है, पूर्वाभास होने लगता है, आर्शीवाद देने की शक्ति बढती है, नेत्रों में तेज आता है, स्वप्न सिद्धि प्राप्त होती है, क्रोध शांत होता है, ज्ञान की वृद्धि होती है।

विद्यार्थीयों के लिए-

गायत्री मंत्र का जप सभी के लिए उपयोगी है किंतु विद्यार्थियों के लिए तो यह मंत्र बहुत लाभदायक है। रोजाना इस मंत्र का एक सौ आठ बार जप करने से विद्यार्थी को सभी प्रकार की विद्या प्राप्त करने में आसानी होती है। विद्यार्थियों को पढने में मन नहीं लगना, याद किया हुआ भूल जाना, शीघ्रता से याद न होना आदि समस्याओं से निजात मिल जाती है।

दरिद्रता के नाश के लिए-

यदि किसी व्यक्ति के व्यापार, नौकरी में हानि हो रही है या कार्य में सफलता नहीं मिलती, आमदनी कम है तथा व्यय अधिक है तो उन्हें गायत्री मंत्र का जप काफी फायदा पहुंचाता है। शुक्रवार को पीले वस्त्र पहनकर हाथी पर विराजमान गायत्री माता का ध्यान कर गायत्री मंत्र के आगे और पीछे श्रीं सम्पुट लगाकर जप करने से दरिद्रता का नाश होता है।

संतान संबंधी परेशानियां

किसी दंपत्ति को संतान प्राप्त करने में कठिनाई आ रही हो या संतान से दुखी हो अथवा संतान रोगग्रस्त हो तो प्रात: पति-पत्नी एक साथ सफेद वस्त्र धारण कर यौं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर गायत्री मंत्र का जप करें। संतान संबंधी किसी भी समस्या से शीघ्र मुक्ति मिलती है।

शत्रुओं पर विजय

यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं के कारण परेशानियां झेल रहा हो तो उसे प्रतिदिन या विशेषकर मंगलवार, अमावस्या अथवा रविवार को लाल वस्त्र पहनकर माता दुर्गा का ध्यान करते हुए गायत्री मंत्र के आगे एवं पीछे क्लीं बीज मंत्र का तीन बार सम्पुट लगाकार एक सौ आठ बार जाप करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। मित्रों में सद्भाव, परिवार में एकता होती है तथा न्यायालयों आदि कार्यों में भी विजय प्राप्त होती है।

विवाह कार्य में देरी

यदि किसी भी जातक के विवाह में अनावश्यक देरी हो रही हो तो सोमवार को सुबह के समय पीले वस्त्र धारण कर माता पार्वती का ध्यान करते हुए ह्रीं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर एक सौ आठ बार जाप करने से विवाह कार्य में आने वाली समस्त बाधाएं दूर होती हैं। यह साधना स्त्री पुरुष दोनों कर सकते हैं।

नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है

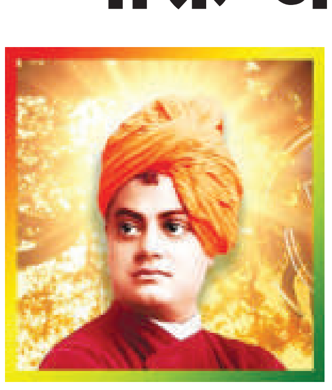

विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं सत्यवादी बनिए। किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। व्यवस्थित जीवन जीने के लिए मनुष्य के जीवन में नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियम के बगैर मनुष्य का जीवन पशु से भी बदतर माना जाता है।

नियम पालन और कुछ नहीं, बल्कि अनुशासन में रहना है। जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन है, वे अपने सभी काम सही समय पर और सही तरीके से करते हैं, जिससे सफलता उनके कदम चूमती है। इसके विपरीत अनुशासन के बगैर व्यक्ति कभी खुशहाल जीवन नहीं जी सकता।

ऐसा इसलिए, क्योंकि नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है। इस कराण उसका जीवन कई तरह के संकटों से घिर जाता है। प्रकृति के सारे कार्य नियमबद्ध तरीके से होते हैं। जिस तरह सूर्य नित्य उदित होता है और चंद्रमा अपनी चांदनी बिखेरता है, उसी तरह मनुष्य को भी आलस्य को त्यागकर अपने जीवन में नियमों का पालन करना चाहिए। जीवन को नियम के अधीन कर देना आलस्य पर विजय पाना ही है। जब प्रकृति नियमों के प्रति इतनी सजग व अडिग है, तो मनुष्य को इससे छूट कैसे मिल सकती है। कभी-कभी प्रकृति जब अपने नियम से हटती है। हालांकि ज्यादातर बार इसकी वजह मनुष्य द्वारा किया गया खिलवाड ही होता है-तब विकराल घटनाएं घटित होती हैं। इसी तरह जो व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता, उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और ऐसा मनुष्य मुसीबतों से घिर जाता है। मनुष्य द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक कार्य के लिए नियम हैं और जो व्यक्ति अपने कर्म में इन नियमों का पालन करता है, उसका जीवन सुखी व्यतीत होता है।

विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं कि सत्यवादी बनिए। इसका आशय है किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। चाहे यह किसी को अच्छा लगे या न लगे। सत्य के लिए सब कुछ छोडा जा सकता है, लेकिन सच को किसी भी चीज के लिए नहीं छोडा जा सकता। इसी तरह पवित्रता और परमार्थ के बारे में उन्होंने कहा था, ये जहां कहीं भी उपस्थित होंगे, ऐसी कोई ताकत नहीं है, जो उस व्यक्ति को हिला सके। इनसे युक्त होने पर व्यक्ति संपूर्ण ब्रहमांड के विरोध का सामना करने में सक्षम हो जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को नियम पालन को अपना धर्म मानना चाहिए।

पढ़ाया जाएगा, कब और कितनी पिएं शराब

इटली के प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को शराब पीने का पाठ पढ़ाया जाएगा। छात्रों को यह साप्ताहिक क्लास दी जाएगी, जिसमें उन्हें यह बताया जाएगा कि शराब कितनी मात्रा में पी जानी चाहिए। इस क्लास में छह साल तक की उम्र के बच्चों को शामिल किया जाएगा। इस क्लास में बताया जाएगा कि आखिर हमें कितनी शराब पीनी चाहिए ताकी हम बेकाबू न होने पाएं। इस तरह की पढ़ाई के लिए संसद में एक विधेयक पेश किया जाना है, जिसमें इटली की संस्कृति को बचाए रखने पर जोर

दिया जाएगा। इस बिल का नॉर्दन इटली के ब्रेस्सिया में पहले ही अनुपालन हो रहा है। यहां बच्चों के देश में शराब के योगदान के बारे में बताया जा रहा है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी शुरुआत स्थानीय राजनीतिज्ञों ने की है। इस साल गर्मियों से ही इसे पढ़ाना शुरू कर दिया जाएगा। इस संसदीय विधेयक को लाने की योजना बनाने वाले डारियो स्टेफानो ने कहा कि बच्चों को इस बारे में बताया जाएगा कि देश में शराब का क्या योगदान है और इसे कैसे बनाया जाता है।

बेकार नहीं हैं नींबू के छिलके

नींबू के फायदों के बारे में तो हम सब जानते हैं। लेकिन, क्या आप नींबू के छिलकों के फायदों और पोषक गुणों के बारे में जानते हैं। नींबू के छिलके में कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह हड्डियों से जुड़ीं बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, रहेयूमेटॉयड अर्थराइटिस और इंफ्लेमेटरी पोलीअर्थराइटिस से भी बचाने में मदद करता है।

शरीर में ज्यादा आयरन से होते हैं ये रोग

कई बार लोग शरीर में कैल्शियम की कमी होने से बहुत अधिक मात्रा में आयरन का सेवन करने लगते हैं। जिससे शरीर में आयरन अधिक की मात्रा हो जाती है। क्या आपको मालुम है शरीर में आयरन की अती होने से शरीर खतरनाक बीमारियों का घर बन जाता है। इन खतरनाक बीमारियों के बारे में जानते हैं।

आयरन की अधिकता

शरीर में आयरन की कमी से बाल झड़ने व एनीमिया रोग की समस्या पैदा होती है। इसी कारण आयरन शरीर के लिए काफी जरूरी माना जाता है। एक इंसान को फिट और हेल्दी रहने के लिए रोज 21 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। लेकिन क्या आपको मालुम है की शरीर में आयरन की मात्रा अधिक होने से भी कई सारी बीमारियां होती हैं।

दिल की बीमारियां

आयरन की अधिकता का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है और इससे दिल की अनेक तरह की समस्या उत्पन्न होती है। शरीर में आयरन की अधिकता होने से दिल के टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज हो जाते हैं। कई बार टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज इतना हो जाता है कि हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है।

लीवर डैमेज

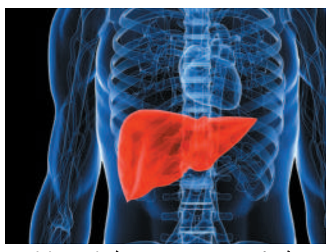

कई बार आयरन की अती होने से लीवर भी डैमेज हो जाता है। किसी इंसान के शरीर में अगर आयरन की मात्रा बढ़ती है तो लीवर में प्रेशर बढ़ने लगता है जिससे लीवर के टिश्यू का ऑक्सीकरण सही से नहीं हो पाता और वो डैमेज होने लगते हैं। कई बार लीवर के कैंसर का खतरा भी उत्पन्न हो जाता है।

कैंसर

शरीर में आयरन की अधिक मात्रा होने से कई बार कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा शरीर में आयरन सही से फिल्टर नहीं होने के कारण होता है। जिसकी वजह से शरीर में टॉक्सिन और फ्री रैडिकल बढ़ जाते हैं, जो कि कैंसर का कारक होते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस

आयरन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं तो आयरन की अती से भी हड्डियों के कमजोर होने की संभावना रहती है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, शरीर में आयरन की अधिक मात्रा से हड्डियों के गठन और कैल्शियम के अवशोषण की हड्डी से जड़े ऑक्सीडेशन व एंटी-ऑक्सीडेशन तंत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। इस स्थिति में शरीर का लंबे समय तक रहने से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो जाती है।

बुढ़ापे में बीमारियों से बचाएगा टीकाकरण

बच्चे के जन्म लेने के बाद से ही उसे बीमारियों से बचाए रखने के लिए पूरे साल न जाने कितने टीके लगवाए जाते हैं। ताकि साल भर वे हेल्दी और स्वस्थ रह सके। लेकिन क्या आप जानते हैं, ऐसा बुजुर्गों के लिए भी जरूरी हो गया है। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आप खुद या आपके माता-पिता रोग मुक्त जीवन जीएं, तो उनके लिए टीकाकरण जरूरी है।

यह टीका हर साल होने वाली जानलेवा बीमारियों से बचाने में बेहद मदद करता है। आज भी 50 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों को इस टीकाकरण और इसे न लगवाने पर होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी नहीं है। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं- यह एक पुरानी कहावत है। यह हमारी सेहत पर भी उतनी ही लागू होती है। जब हम युवा होते हैं तो अपनी सेहत का ध्यान न रखने से होने वाले नुकसानों को नजरअंदाज कर देते हैं। और जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो हमें बहुत सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उस वक्त हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। कई बार हम यह भी सोचते हैं कि एक बार टीका लेना काफी है। लेकिन जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है इस टीकाकरण का असर कम होने लगता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती जाती है। इस वजह से युवाओं के मुकाबले बड़ी उम्र वालों में रोकी जा सकने वाली बीमारियां होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

उन्होंने कहा, अगर वह पहले से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे कि दिल की बीमारियां, हाईपरटेंशन, डायबिटीज या ऑब्स्ट्रक्टिव प्लमनरी डिजीज से जुड़ जाती हैं तो यह जानलेवा साबित हो सकता हैं। आम तौर पर होने वाली बीमारियां फ्लू, हैपेटाइटिस-ए, हैपेटाइटिस-बी होती हैं। इन हालतों को देखते हुए कुछ टीका 65 साल की उम्र के बाद देनी जरूरी हो जाता है। बच्चों को चाहिए कि उनके अभिभावक यह टीका लें ताकि वह लंबी और सेहतमंद जिंदगी जी सकें।

इन बातों का रखें ध्यान

- फ्लू वैक्सीन 6 महीने या उससे बड़े सभी व्यक्तियों को देने की सलाह दी जाती है।
- निमूनिया वैक्सीन 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को दी जानी चाहिए।
- टेटनस टॉक्साईड हर 10 साल बाद देते रहना चाहिए।
- अगर पहले ना लगी हो तो सभी को हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए।
- 60 साल या उससे ज्यादा उम्र वाले को डायबिटीज है तो उन्हें हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए। आगे चल कर ब्लड ग्लूकोज की मॉनीटरिंग की अधिक आवश्यकता के लिए यह वैक्सीन लगवाने की सलाह दी जाती है।

जानिए प्लास्टिक बोतल के नीचे लिखे नंबर का मतलब

अगर आप किसी भी प्लास्टिक कंटेनर, वॉटर बॉटल्स या प्लास्टिक पैकेज्ड प्रोडक्ट को उल्टा करेंगी तो आप पाएंगी कि नीचे एक छोटा सा ट्राइएंगल है और इसमें एक नंबर या अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखे होते हैं। दरअसल यह नंबर या अक्षर उन कैमिकल्स के बारे में बताता है, जो उस विशेष प्लास्टिक प्रॉडक्ट को बनाने में इस्तेमाल हुआ है...

पॉलीएथीलीन टेरेफथैलेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। आप इसे कोल्ड ड्रिंक या वॉटर वॉटल्स के नीचे पाएंगी। यह प्लास्टिक केवल एक बार इस्तेमाल के लिए ही बनी होती है। पैट प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि अगर आप इसे साबुन या डिटर्जेंट की मदद से साफ करती हैं या अधिक तापमान पर रखती हैं तो संभव है कि प्लास्टिक में मिले केमिकल्स पानी के साथ मिल जाएं। ये केमिकल्स हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इन बोतलों को दोबारा इस्तेमाल न करें।

हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह प्लास्टिक पेट्रोलियम से बनी होती है और ज्यादातर प्लास्टिक बैग, ऑयल बॉटल्स, जूस बॉटल्स, मक्खन या योगर्ट टब्स बनाने में इस्तेमाल होती है। यह प्लास्टिक हार्ड और अपारदर्शी होती है और उच्च तापमान पर भी अप्रभावित रहती है। यह हानिकारक केमिकल्स नहीं निकालती और दोबारा इस्तेमाल की जा सकती है। इस प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग दर सभी प्लास्टिक में सबसे ज्यादा है।

विनायल या पीवीसी : यह थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है और अक्सर डिटर्जेंट और विंडो क्लीनर बॉटल्स में पाया जाता है। जिन बॉटल्स पर पीवीसी या 3वी लिखा होता है, वे बहुत नुकसान करती हैं और आपको उन्हें इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये बॉटल्स हानिकारक केमिकल्स निकालती हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी नहीं किया जाता।

लो डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह थर्मोप्लास्टिक भी पेट्रोलियम से बनी होती है और या तो अपारदर्शी होती है या फिर पारभासी। इसका इस्तेमाल शॉपिंग बैग्स, फूड रैप्स और ब्रेड बैग्स बनाने में होता है। यह प्लास्टिक हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं है क्योंकि इससे कोई हानिकारक पदार्थ या केमिकल नहीं निकलता।

पॉलीप्रॉपाइलीन: पॉलीप्रॉपाइलीन या पीपी थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है। यह कठोर, मजबूत होता है और इसकी प्रतिरोधक क्षमता भी ज्यादा होती है। इसलिए इसे सबसे सुरक्षित प्लास्टिक माना गया है। पीपी साइन दवाइयों की शीशी, केचप या अन्य दबाने वाली बॉटल्स में पाया जा सकता है। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी किया जाता है।

पॉलीस्टाइरीन: पी एस भी एक पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक है, जिसे इंसुलेशन और पैकेजिंग मटैरियल्स में इस्तेमाल किया जाता है। आप इस साइन को डिस्पोजेबल कंटेनर्स या एग कार्टन्स में देख सकती हैं। प्लास्टिक के इस रूप को रीसाइकल करना बहुत ही मुश्किल है।

पॉलीकार्बोनेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक होता है क्योंकि यह बीपीए केमिकल्स छोड़ता है। इसका इस्तेमाल फूड कंटेनर्स और तीन से पांच गैलन की वॉटर बॉटल्स बनाने में होता है। यह रीसाइकल भी नहीं किया जा सकता।

लौकी के जूस में शहद मिलाएं और फिर देखिए जादू

क्या आप जानते हैं कि लौकी के जूस में शहद मिला कर पीने से आपको 7 तरह की बीमारियों से निजात मिल सकती है? इस जूस को बनाना काफी आसान है, बस ताजी लौकी के कुछ फ्रेश पीस को ब्लेंडर में डालिए और उसके साथ 1 चम्मच शहद मिलाइए। फिर इसे ब्लेंड कीजिए और यह जूस पीने के लिए तैयार हो जाएगा। जूस बनाने से पहले लौकी के छोटे पीस को जरुर चखना चाहिए, अगर यह तीखी है तो इसका जूस ना बनाएं। तो आइए अब जानते हैं इसके 7 स्वास्थ्य लाभ क्या हैं-

पाचन शक्ति बढ़ाए- अगर रह रह कर आपको एसिडिटी और कब्ज की समस्या रहती है, तो लौकी का जूस पिएं। इससे पेट में एसिड का लेवल न्यूट्रलाइज हो जाएगा और पेट की सारी समस्या दूर हो जाएगी। इस जूस को पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और फैट जल्दी बर्न होता है।

यूटीआई ठीक करे- मूत्र पथ संक्रमण की समस्या इस जूस के नियमित सेवन से ठीक होती है। यह यूरीने से एसिड के लेवल को कम करता है। इसे पीने से नसें चौड़ी हो जाती हैं जिससे शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।

प्रेगनेंसी में जरूर पिएं- लौकी तथा शहद, दोंनो ही चीजों में विटामिन, कैल्शियम और फोलेट पाए जाते हैं, जिससे हर प्रेगनेंट महिला को पीना चाहिए। **किसी भी उपाय को करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।**

सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद का ध्यान रखना जरूरी

बिना सोचे-समझे न खाएं सलाद

हम सब जानते हैं कि एक कटोरी भर सलाद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बढ़िया होता है, परंतु सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद कैसे प्राप्त किया जाए यह एक प्रमुख प्रश्न है जो हमें भयभीत करता रहता है। इसलिए जरूरी ये है कि हम सलाद का सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसे किस अनुपात में खाना है। आज हम आपको बताते हैं सलाद के बारे में कुछ बुनियादी बातें।

मीठे के स्थान पर कर सकते हैं सेवन

बहस लगातार जारी है कि आपको सलाद का सेवन कब करना चाहिए। भोजन से पहले या बाद में। यदि मुख्य भोजन के बाद सलाद का सेवन किया जाए तो ये फायदेमंद होता है। इसके अलावा मीठे के स्थान पर सलाद का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर होता है।

इससे बनेगी रुचि

काबुली चने तथा अन्य अंकुरित खाद्यों को एक तरफ रखकर प्रति सप्ताह सलाद में कुछ नया शामिल करें। ताजा जड़ी-बूटियों, चुकंदर के टुकड़ों, एवेकाडो, कम फैट वाला, गोटा चीज या ताकत से भरपूर कद्दू के बीजों का सेवन करें। ये न सिर्फ आपकी सलाद में रुचि बनाए रखेंगे, बल्कि कुछ अलग पोषक तत्व और स्वाद भी आपके सलाद में शामिल करेंगे।

इसमें विटामिंस ज्यादा

हरे रंग के सभी सलाद स्वास्थ्यवर्धक नहीं होते। आइसबर्ग लैट्यूस सलाद की प्लेट में आकर्षक और कुरकुरा तो लगता है, परंतु पोषण के मामले में यह बहुत बढ़िया नहीं होता। इसकी बजाय गहरे रंग वाले पत्तों का सेवन करें जैसे पालक, राकेट लीव्स, रैड एंड ग्रीन लीफ, तथा रोमेन लैट्यूस को सलाद में शामिल करें। इनमें विटामिन्स मिनरल्स अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं।

क्रंच से बचें...

क्रिस्पी नूडल्स या क्रन्च (ब्रैड के कुरमुरे टुकड़े) को अपने थाई या एशियाई सलाद चाहे आपको अत्यधिक स्वादिष्ट लगता हो, परंतु यह आपकी कमर के लिए ठीक नहीं है। क्रूटन्स को प्रोसैस्ड व्हाइट ब्रेड से तैयार किया जाता है जिसका अर्थ है खाली कार्बोहाइड्रेट्स तथा कैलोरीज की अधिकता जिस प्रकार का क्रंच आप चाहते हैं उसके लिए अखरोट या सिंघाड़ों का सेवन बढ़िया रहता है।

ऑफिस में तनाव व काम के दबाव से मुक्ति पाएं

अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं। यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है।

अक्सर आफिस के किसी कर्मचारी को सोते देख उसके बॉस की भौंहें तन जाती हैं और वह उसकी मेज पर जोर से हाथ मारते हैं ताकि कर्मचारी जागकर अपने काम पर लग सकें। ऐसे लोग बॉस की नजरों में लापरवाह होते हैं पर ऐसा जरूरी नहीं। न्यूयार्क में हुए नए शोध बताते हैं कि यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है। अध्ययन में स्वैच्छिक कर्मचारियों को 2 वर्गों में बांटा गया व उन्हें शब्द दिए गए। थोड़ी देर बाद एक वर्ग ने 47 मिनट की नींद ली व दूसरे ग्रुप ने पत्रिका पढ़ कर व फिल्में देख कर यह समय व्यतीत किया। जब 6 घंटों बाद उन दोनों का दोबारा टेस्ट लिया गया तो पाया गया कि जिन लोगों ने नींद ली थी उन्होंने महत्वपूर्ण तथ्य आसानी से याद कर लिए थे। दूसरे वर्ग की बजाय उन्होंने 15 प्रतिशत अधिक शब्दों को याद किया। शोधकर्ताओं के मुताबिक अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं इसलिए व्यक्ति की याद करने की क्षमता पुनः तीव्र हो जाती है।

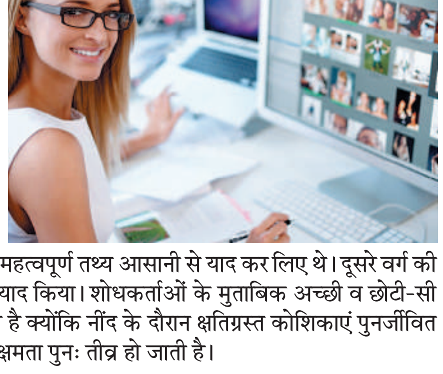

मैनेजमैंट टिप्स: बड़े विचारों को सरलता से पकड़ें...

अच्छे विचारों को लिखने और उनसे फायदा उठाने के लिए अपनी स्मृति या ब्लैकबेरी पर भरोसा न करें। पुराने जमाने के लोगों की तरह 3 गुणा 5 के इंडैक्स कार्ड्स का उपयोग करें। उन्हें अपने साथ जेब में रखें और जब भी कोई अच्छा विचार सुनें तो उसे एक कार्ड पर लिख लें। भौतिक रूप से कार्ड साथ रखने का नतीजा होगा कि आप हर शाम को उन पर विचार करने के लिए विवश हो जाएंगे। इसके अलावा विचारों को लिखने के कार्य से उन्हें याद रखने और आत्मसात करने में भी मदद मिलती है। साथ ही जेब में खाली कार्ड होने से आपको हमेशा याद रहेगा कि आपको नए विचारों की तलाश करनी है और सबसे महत्वपूर्ण बात, सुनना है।

रेसिपी

कोर्न करी

सामग्री

11/2 कप उबले हुए मीठी मकई के दानें, 2 स्पून तेल, 2 दालचीनी टुकड़ा, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 स्पून कोर्नफ्लार , 2 कप नारीयल दुध मे घुला, नमक स्वादअनुसार। **हरा पेस्ट बनाने के लिये:** 11/2 कप हरा धनिया, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून ताज़ा कसा हुआ नारीयल, 7 लहसुन की कलियां, 2 अदरक के टुकड़े, 4 स्पून खसखस, 6 हरी मिर्च,1 स्पून नींबू का रस,

परोसने के लिए: रोटी/पराठे,स्टीम्ड चावल

विधि

कढ़ाई मे तेल गरम करें, तैयार हरा पेस्ट, दालचीनी, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट भूने। मीठे मकई के दाने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 1 मिनट तक पकाएं। कोर्नफ्लार-नारीयल के दुध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 5 से 6 मिनट तक पकाएं। रोटी या पराठे और चावल के साथ गरमा गरम परोसें।

उड़द दाल विथ पनीर

सामग्री

3/4 कप उड़द दाल, 1/2 कप छोटे पनीर के टुकड़े, 1/2 टी-स्पून हल्दी, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक गहरे बर्तन में उड़द दाल को पर्याप्त पानी का उपयोग करते हुए 1 घंटा पहले भिगोए और अच्छे से छान लीजिए। प्रेशर कुकर में उड़द दाल, 1/4 टी-स्पून हल्दी, नमक और 1 1/4 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और 1 सिटी आने तक प्रेशर कुकर में पकाइए। ढककन खोलने से पहले भांप को निकल जाने दीजिए। छानिए और एक तरफ रख दीजिए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए, उसमे पनीर डालिए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट या पनीर का हल्का भूरा रंग होने तक भूनिए। आंच पर से हटाए और एक तरफ रख दीजिए। उसी कढ़ाई में जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, उसमे प्याज़ डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च का पाउडर, बचा हुआ 1/4 टी-स्पून हल्दी, 2 टेबल-स्पून पानी और नमक डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे पकाई हुई उड़द दाल डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट पकाइए। उसमे भुना हुआ पनीर और धनिया डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट ओर, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

दिमाग की बत्ती

खून का रंग लाल होता है, क्यों?

हीमोग्लोबिन के कारण खून का रंग लाल होता है। रेड ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन होता है, आयरन इसका मुख्य घटक है। आयरन ब्लड में ऑक्सीजन होल्ड करने में मदद करता है और जब आयरन और ऑक्सीजन मिक्स हो जाते हैं, तो हिमोग्लोबिन का रंग लाल हो जाता है।

- हमारे शरीर में करीब 5 से 6 लीटर ब्लड होता है, जो एक मिनट में तीन बार पूरे शरीर में सर्कुलेट होता है। यानी एक दिन में ब्लड 19,000 किमी. ट्रैवल करता है।
- रेड ब्लड सेल्स हीमोग्लोबिन के माध्यम से शरीर के विभिन्न हिस्सों को ऑक्सीजन पहुंचाते हैं।
- रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन की मात्रा में कमी आने से शरीर की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती है, जिसके कारण एनीमिया (खून की कमी) रोग हो जाता है।

रेड ब्लड सेल्स

- रेड ब्लड सेल्स का जीवनकाल 120 दिन का होता है।
- करीब 80 लाख ब्लड सेल्स हर सेकंड मरते हैं और करीब इतने ही नए बनते हैं।
- एक रेड ब्लड सेल को पूरे शरीर का चक्कर लगाने में 20 से 60 सेकंड लगते हैं।

इसलिए है जरूरी

- ब्लड शरीर के तापमान को एक सा बनाए रखता है।
- खून शरीर के विभिन्न भागों से अपशिष्ट पदार्थों को इकट्ठा करके किडनी तक पहुंचाता है।
- पचे हुए भोजन को खून शरीर के विभिन्न भागों की कोशिकाओं में पहुंचाता है।
- ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के विभिन्न अंगों की कोशिकाओं में पहुंचानता है।

ये हैं आज के सुपरहीरो

बच्चो, आइए आज आपको उन सुपर हीरोस के साथ मिलवाते हैं, जो अपने-अपने समय में बच्चों ही नहीं बड़ों के भी सुपरहीरो रहे हैं। आप भी चुन लीजिएगा इनमें से अपना सुपरहीरो...

बच्चो, आपके सुपरहीरोज के बारे में एक नई स्टडी सामने आई है। इसमें पाया गया है कि ऑलटाइम सुपरहीरो वे होते हैं जो हमेशा अपने अच्छे कामों के लिए अपनी सुपरपावर का इस्तेमाल कर लोगों की मदद करते हैं। तो आइए, आज आप मिलिए ऑलटाइम सुपरहीरोंज से...

सुपरमैन : क्लार्क केंट

सुपरमैन का असली नाम है– क्लार्क केंट। पहली बार सुपरमैन को डीसी कॉमिक्स के एक्शन कॉमिक्स में देखा गया। इन्हें बनाया था जेरी सेगर और जू शूते ने। सुपरमैन की ताकत समय के साथ बढ़ती गई। सर्वशक्तिमान सुपरमैन पर कई हिट फिल्में और टीवी सीरियल्स बन चुके हैं। कहा जाता है कि सुपरमैन क्रिप्टन ग्रह से धरती को संकट से बचाने के लिए आया था।

स्पाइडर मैन : पीटर पार्कर

एक अनाथ और शर्मीले बच्चे पीटर को साइंस म्यूजियम में एक रेडियोएक्टिव मकड़ी (स्पाइडर) काट लेती है। इससे पीटर में स्पाइडर जैसे गुण और सुपर पावर पैदा हो जाती है। स्पाइडरमैन के शुरुआती प्रकाशक इस नाम से परहेज करना चाहते थे क्योंकि उन्हें यह नाम तब डरावना लगा था। अमेजिंग फैंटेसी नामक मार्बल कॉमिक्स के कॉमिक में पहली बार स्पाइडरमैन से लोग परिचित हुए। आपको बता दें, इसके रचनाकार स्टेन ली और स्टीव थे।

बैटमैन : ब्रुश वेने

बैटमैन की बुद्धिमता गजब की है। बेहद शार्प माइंड। यही कारण है कि कहानी में उसे दुनिया का सबसे महान डिटेक्टिव कहा जाता है। विरोधियों से कई कदम आगे की सोच ही उसे बनाती है खास। कहा जाता है न कि असली ताकत तो दिमाग में होती है। ब्रुश वेने को बनाने वाले थे बॉब केन और यह भी पहली बार डीसी कॉमिक में आया।

वोल्वेरिन : जेम्स हॉलेट

स्पाइडरमैन के बाद वोल्वेरिन काफी पॉपुलर सुपर हीरो है। एक्समैन कॉमिक अैर मूवीज में सबका फेवरिट कैरेक्टर। उसमें जबर्दस्त ताकत है। सूंघकर वह शत्रुओं को पहचान सकता है। मार्शल आर्ट्स का महारथी वोल्वेरिन टूटी हुई हड्डियों को मिनटों में जोड़ सकता है। लीन वेन, जॉन रोमिता सीनियर और हर्ब ट्राइम्ब ने इस कैरेक्टर को गढ़ा था।

द हल्क : ब्रुश बैनर

स्टेन ली और जैक किरबे का यह किरदार मार्वल कॉमिक के खास सुपरहीरोज में से एक है। विशालकाय होने के बावजूद इसकी स्पीड गजब की है। कूदकर ही यह दूर–दूर की यात्राएं कर लेता है। एक वैज्ञानिक ब्रुश वेनर लैब में काम करते हुए गामा किरणों के प्रभाव में आ जाने से एक विशालकाय राक्षस के रूप में तब्दील हो जाता है।

कैप्टन अमरीका : स्टीव रोगर्स

यह है तो अमरीका का सुपरहीरो लेकिन टॉप कॉमिक बुक कैरेक्टर में भी इसे गिना जाता है। अमरीका के लोग ओपन माइंड, स्ट्रांग और हार्डवार्किंक रहें, कैप्टन अमरीका का यही उद्देश्य है। इस कैरेक्टर को जो सिमन और जैक किर्बी ने गढ़ा है। मास्टर टैक्टिशियन और फील्ड कमांडर कैप्टन अमरीका एक्सपर्ट मार्शल आर्टिस्ट है। इस किरदार पर एक फिल्म भी बन रही है कैप्टन अमेरिका : द फर्स्ट अवेंजर।

वंडर वुमन : डायना थेमीसायरा

इनका ब्रेसलेट है बुलेट प्रूफ। यह जस्टिस लीग ऑफ अमरीका की मैंबर है। जस्टिस लीग ऑफ अमरीका डीसी कॉमिक्स से प्रकाशित होने वाली फिक्शन कॉमिक सुपरहीरो की टीम है। वंडरवुमन यानी डायना थेमीसायरा वंडरडॉम के नाम से भी जानी जाती है। खुद को पृथ्वी राजदूत बताने वाली वंडरवुमन को क्रिएट किया था विलियम एम. मार्सटन ने। इतने सारे सुपरहीरोज की भीड़ में यही एक महिला कैरेक्टर है, जो हर बच्चे की पसंद बनी हुई है।

स्पॉनअल सिमॉन्स

टॉड मैकफलेन ने इस किरदार की रचना की थी। इस कॉमिक सुपरहीरो के जन्म की लंबी कहानी है। वह अमरीका की सैंट्रल इंटैलिजेंस एजेंसी की इंप्लॉई था। गुरिल्ला युद्ध का महारथी। अपने एक भरोसेमंद से धोखा खाने के बाद वह सदमा बर्दाश्त न कर सका और यमलोक चला गया। वहां उसने एक राक्षस मियलबोलजिया से गुजारिश की कि आखिरी बार उसे उसकी पत्नी से मिलने के लिए पृथ्वी पर दोबारा भेजा जाए। बात मान ली गई, लेकिन पृथ्वी पर जो स्पॉन आया था, वह पुरानी यादें भूल चुका था। उसका एक ही मिशन था मियलबोलजिया को सबका राजा बनाना।

ग्रीन लैंटन : हाल जॉर्डन

इस सुपरहीरो के पास सबसे बड़ी चीज है विज पॉवर। उसकी अंगूठी से निकलती है–चमत्कारिक एनर्जी जो विनाश भी कर सकती है और निर्माण भी। मार्टिन नोडेल और बिल फिंजर ने इस सुपरहीरो की रचना की थी।

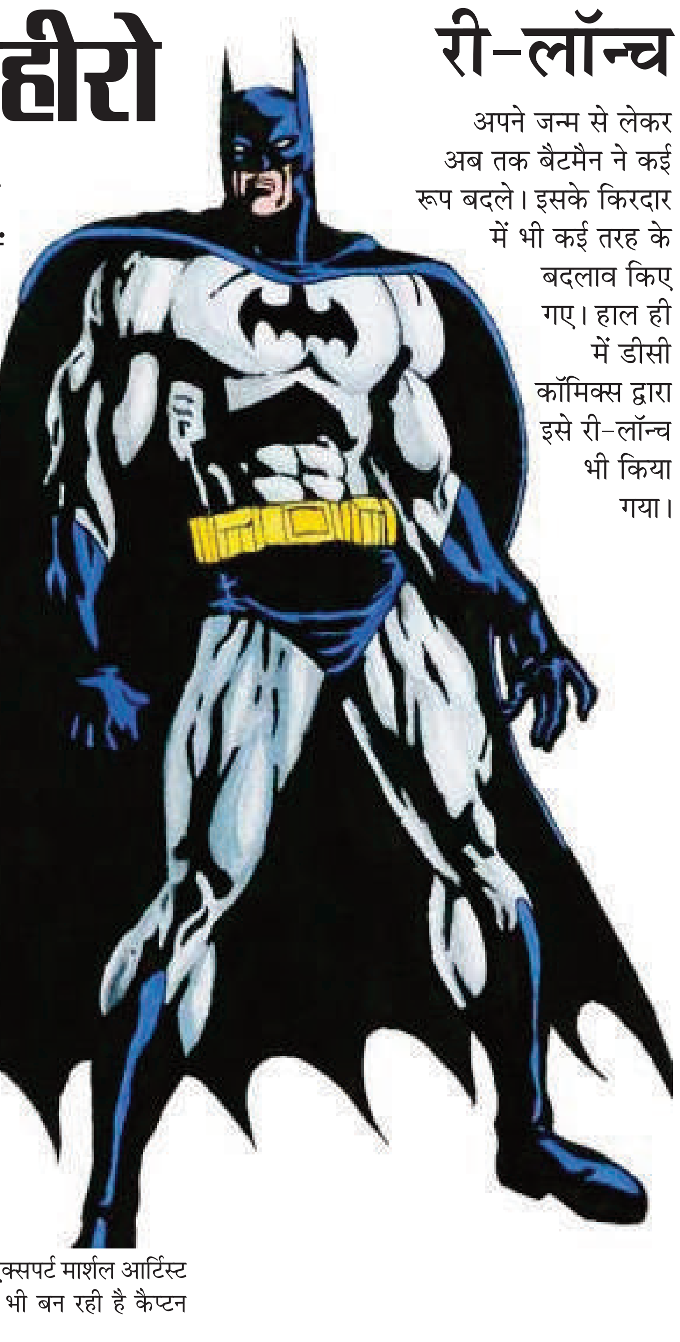

री–लॉन्च

अपने जन्म से लेकर अब तक बैटमैन ने कई रूप बदले। इसके किरदार में भी कई तरह के बदलाव किए गए। हाल ही में डीसी कॉमिक्स द्वारा इसे री–लॉन्च भी किया गया।

जिज्ञासा

इसलिए कहते हैं 'काइट'

बच्चों को पतंगों से हमेशा ही लगाव रहा है। कहते हैं, पक्षी को देखकर बनी पतंग और पतंग को उड़ता देखकर वैज्ञानिकों ने की हवाई जहाज बनाने की कल्पना। मौका चाहे 15 अगस्त का हो या मकर संक्रांति का पतंग उड़ाने में बच्चों का जोश देखते ही बनता है। इन दिनों रंगबिरंगी पतंगों से आकाश भी रंगीन दिखने लगता है।

आज से करीब दो हजार साल पहले यानी ईसा पूर्व चीन में पतंग उड़ाने की शुरुआत हुई थी। चीन के समाज में पतंगों को भी शकुन– अपशकुन से जोड़कर देखा जाता था। यहां किन राजवंश के दौरान पतंग को उड़ाकर छोड देने को अपशकुन माना जाता था। साथ ही किसी कटी हुई पतंग को उठाना भी बुरा शकुन माना जाता था।

समय के साथ–साथ पतंगें बर्मा, कोरिया, थाईलैंड, जापान, अरब, उत्तरी अफ्रीका और भारत में भी काफी लोकप्रिय हो गईं। पहले मैसेज भेजने के लिए पतंगों का इस्तेमाल किया जाता था। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि लगभग उसी काल में एक यूनानी आरकाइट्स ने दुनिया की सबसे पहली पतंग का निर्माण किया था और इसी कारण पतंग को अंग्रेजी में काइट कहते हैं।

पतंग सिर्फ मनपरचावे की ही चीज नहीं है, इसका संबंध कई आविष्कारों से भी है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एरोप्लेन के आविष्कारक राइट ब्रदर्स ने पतंगों से काफी कुछ सीखा था। बेंजामिन फ्रैंकलिन और मारकोनी ने भी पतंगों की मदद से कई आविष्कार किए। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगलस आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति भी मालूम की थी।

हम बताएं, आप बनाएं

पांच पहेलिया

तिब्बती लोक कथा.

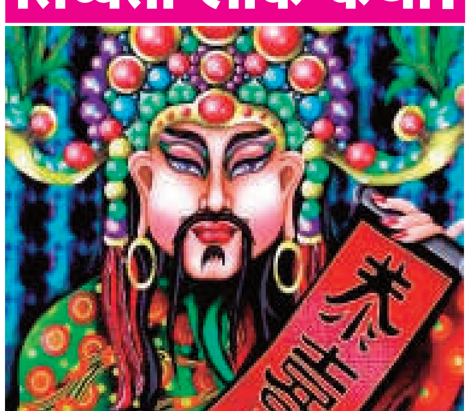

सातवीं शताब्दी की बात थी, चीन में थांग राजवंश का राज्य था और तिब्बत में थुबो राजवंश का शासन। तिब्बत के राजा सोंगजान गाम्बो ने चीन के सम्राट से उनकी पुत्री का हाथ मांगने के लिए अपने एक दूत गोलतुंगजान को भेजा, जो बहुत बुद्धिमान था। चीन के सम्राट की शर्त थी कि जिस देश का दूत उनकी पांच पहेलियों का हल ढूंढेगा, उसी देश के राजा के साथ वह अपनी पुत्री की शादी करेंगे।

थांग सम्राट ने बुद्धि–परीक्षा के लिए जो पहली पहेली दी, वह थी कि बेहद महीन रेशमी धागे को एक नौ मोड़ों वाले मोती के अंदर से गुजार कर जोड़ना। मोती के अंदर नर्म पतले धागे को घुसेड़कर निकालना बहुत ही कठिन काम था, अन्य सभी राज्यों के दूतों को हार माननी पड़ी, लेकिन गोलतुंगजान ने धागे को एक छोटी चींटी की कमर में बांधा और उसे मोती के छेद पर रखकर उस पर एक हल्की फूंक मारी, तो चींटी धीरे–धीरे मोती के अंदर घुसकर दूसरे छोर से बाहर निकल गई, इस तरह मोती से धागा जोड़ने की पहेली हल हो गई।

दूसरी परीक्षा बुद्धि की थी। सभी दूतों को सौ–सौ बकरियां तथा सौ–सौ जार शराब के दिए गए। उन्हें बकरियों का वधकर शराब के साथ खाने का हुक्म दिया गया। अन्य सभी दूत जल्दी ही नशे में चूर हो गए। गोलतुंगजान ने अपने साथियों को छोटे प्याले से धीरे–धीरे शराब पीते हुए बकरी पकाकर खाने को कहा। इस तरह उसने दूसरी शर्त हल कर दी।

तीसरी परीक्षा थी सौ मादा घोड़ों को उनके सौ बछड़ों से मिलाना। गोलतुंगजान ने एक रात बछड़ों और मादा घोड़ों को अलग–अलग बाड़ों में रखा। उस रात बछड़ों को खाने के लिए भी कुछ नहीं दिया गया। दूसरे दिन जब भूखे बछड़ों को बाहर छोड़ा गया, तो वे दौड़ कर अपनी–अपनी मां के पास जा पहुंचे और दूध पीने लगे। इस तरह सौ मादा घोड़ों और उनके सौ बछड़ों का रिश्ता साफ़ हो गया।

चौथी परीक्षा के लिए थांग सम्राट ने सौ लकड़ी के डंडे सामने रखवाए, दूतों को डंडों के अगले और पिछले हिस्से में फर्क करने का हुक्म दिया गया। गोलतुंगजान ने लकड़ी के डंडों को पानी में रख दिया। डंडे का अगला भाग भारी था और पीछे का हिस्सा हल्का। भारी भाग पानी के नीचे डूब गया और हल्का भाग पानी के ऊपर तैरता रहा। तिब्बती दूत ने यह परीक्षा भी पास कर ली।

अंतिम परीक्षा ज्यादा कठिन थी, थांग सम्राट ने अपनी पुत्री राजकुमारी वुनछङ समेत तीन सौ युवतियों को समान वस्त्र पहना कर भीड़ में खड़ा कर दिया और सभी दूतों से उसे पहचानने को कहा। गोलतुंगजान ने राजकुमारी की एक पूर्व सेविका से यह जान लिया कि राजकुमारी के माथे पर भौंहों के बीच एक लाल मस्सा है। इसी के आधार पर तिब्बती दूत राजकुमारी वुनछङ को पहचाने में सफल रहा।

अपनी अद्भुत बुद्धिमत्ता से तिब्बती दूत गोलतुंगजान ने सभी परीक्षाओं में जीत हासिल की। थांग सम्राट ने अपनी पुत्री को तिब्बत के राजा सोंगजान गाम्बो के साथ विवाह करने की सहमति दे दी। खूब सारी धन–दौलत के साथ राजकुमारी को तिब्बत भेजा गया। राजकुमारी ने तिब्बत के विकास के लिए काफी योगदान दिया, जिसके कारण आज भी तिब्बती लोग उसको याद करते हैं।

दुष्ट शेर के चंगुल में फंसा निर्दोष ब्राह्मण

लोक कथा

एक अय्यर ब्राह्मण घने वन से गुजर रहा था। तभी उसकी नजर पिंजरे पर पड़ी। पिंजरे में एक शेर बंद था। शेर ने ब्राह्मण से विनती की–'आप मुझे पिंजरे से निकाल दें। भूख–प्यास से मेरी जान जा रही है। मैं कुछ खा–पीकर पुन: पिंजरे में लौट आऊंगा।' ब्राह्मण महाशय परेशान हो गए। यदि पिंजरा खोलते हैं तो शर उन्हें खा सकता है। यदि नहीं खोलते हैं तो बेचारा पशु मारा जाएगा। अंत में उनकी दयालुता की जीत हुई। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया।

शेर बाहर आते ही गरजकर बोला–'मूर्ख मनुष्य, तूने गलती की है। उसकी सजा भुगत। मैं तुझे ही खाऊंगा।' ब्राह्मण भय के कारण थर–थर कांपने लगा। परंतु मन–ही–मन वह बचने का उपाय भी सोच रहा था। जैसे ही शेर ने झपट्टा मारने की कोशिश की, ब्राह्मण ने हिम्मत बटोरकर कांपते स्वर में कहा, खाने से पहले मुझको चार लोगों से सलाह लेनी हैं–

यदि वे कहें कि
यही न्याय है
तो मैं स्वयं काटूंगा
अपने गला।

अब जंगल में और लोग कहां से आते? चार वन्य प्राणियों से राय लेने का निश्चय हुआ। एक बूढ़ा–सा ऊंट सामने से गुजरा तो उससे राय पूछी गई। वह मुंह बिचकाकर बोला–'अरे ये इंसान कहीं दया के योग्य होते हैं? मेरे मालिक को ही देखो, मैं जवान था तो खूब काम करता था। अब शरीर में ताकत नहीं है तो वह मुझे डंडों से मारता है।' शेर की आंखें खुशी से चमकनें लगीं। किंतु अभी तीन जजों की सलाह और लेनी थी।

पास में ही बरगद का विशाल वृक्ष था। उसे भी अपने मन की भड़ास निकालने का अवसर मिल गया। लंबी बांहें फैलकर बोला– 'मनुष्य बहुत लोभी होता है। सूरज की तपती धूप से मैं इसकी रक्षा करता हूं। सारी दोपहर मेरी छांव में बिताकर यह शाम को मेरी टहनियां काटकर ले जाता है। मेरी राय में तो सभी मनुष्यों को जान से मार देना चाहिए।' यह उत्तर सुनकर ब्राह्मण की आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा। तभी ढेंचू–ढेंचू की आवाज सुनाई दी। ब्राह्मण को कुछ आशा बंधी। एक लंगड़ा गधा रेंकता हुआ उसी ओर आ रहा था। शेर ने उनसे भी प्रश्न किया। क्या वह ब्राह्मण को खा सकता है? गधेराम तो पहले से ही जले–भुने बैठे थे। शायद अभी पिटाई खाकर आ रहे थे। गुस्से से भरकर बोले– 'देखो न, मैं दिन–भर मालिक का बोझा ढोता हूं। मैं उफतक नहीं करता। जो भी रूखा–सूखा मिल जाता है, वह खुशी से खा लेता हूं पर आज....। कहकर वह रोने लगा।' शेर को गधे से क्या लेना–देना था? उसने अपना प्रश्न दुहराया, 'क्या ब्राह्मण को खा लूं?' गधे ने आंसू पोंछकर कहा– 'अवश्य मेरे मित्र, इसे बिलकुल मत छोड़ना। इन मनुष्यों ने हमारी नाक में दम कर रखा है।'

अब एक ही पशु की राय और लेनी थी। शेर की निगाहें तेजी से इधर–उधर दौड़ने लगीं। एक लोमड़ी वहीं खड़ी होकर सब कुछ देख रही थी। वह पास आई और बोली– 'फैसला तो मैं कर दूंगी पर पहले अपने–अपने स्थान पर खड़े हो जाओ। मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर पिंजरे में कैसे समा गया? शेर ने जोश में आकर छलांग लगाई और पिंजरे में जा पहुंचा।

लोमड़ी ने झट से दरवाजा बंद कर दिया और ब्राह्मण से बोली, 'आप अपने घर जाएं और जंगली पशुओं से बचकर रहें। इस शेर की हरकतों से तंग आकर ही इसे बंद किया गया था। आगे से बिना सोचे–समझे कोई काम मत करना।' ऐसा कहकर लोमड़ी जंगल में लौट गई। दुष्ट शेर ने पिंजरे में ही भूख–प्यास से दम तोड़ दिया। उसे उसके किए की सजा मिल गई थी।

छोटी सी कहानी

हर दाने पर लिखा है नाम

बहुत पुरानी और परखी हुई कहावत है कि हर दाने पर खाने वाले का नाम लिखा होता है। सेठ जी को यकीन नहीं आया, सो साधू से बहस कर बैठे। देखो, नतीजा क्या हुआ।

एक सेठ जी आंगन में बैठे कुछ दाने चबा रहे थे। तभी एक साधू उधर से निकला। उसने सेठजी से कहा – 'कुछ भिक्षा मिल जाए।' सेठी जी बोले– 'जाओ–जाओ।'

साधू बोला – 'भूखा हूं। खाने के लिए कुछ दाने ही दे दो।'

सेठ जी बोले, 'दाने मुफ्त में नहीं मिलते। बच जाएंगे, तो दे दूंगा।'

साधू बोला, 'एक व्यक्ति सभी दाने कैसे खा सकता है? दाने–दाने पर खाने वाले का नाम लिखा होता है।'

यह सुनकर सेठजी को क्रोध आ गया। वे बोले, 'अपने आपको बहुत ही ज्ञानी समझते हो। इधर मेरे हाथ में पकड़े इस दाने को देखो और बताओ कि इस पर किसका नाम लिखा है?' साधू ने मुस्कराते हुए कहा, 'इस पर कौए का नाम लिखा है। यह दाना उसी का आहार है।' सेठ जी बोले, 'देखो मैं इसे खा जाऊंगा। कहां है तुम्हारा कौआ?'

ऐसा कहते हुए सेठ जी ने वह दाना मुंह में डाला, पर वह मुंह में न जाकर उनकी नाक में घुस गया। सेठजी की सांस रुक गई। लोग इकट्ठा हो गए। उन्हें वैद्य जी के पास ले गए। वैद्य जी ने फौरन चिमटी से सेठ जी की नाक में फंसा दाना निकाल दिया और पास ही फेंक दिया। तभी एक कौआ आया और वह दाना चोंच में दबाकर उड़ गया। साधू भी उस समय वहीं पर था। वह बोला – 'देखो, उस दाने पर कौए का ही नाम लिखा था।' सेठ जी की अकल ठिकाने आ गई। उन्होंने साधू से माफी मांगी और अपने घर ले जाकर आदरपूर्वक भोजन कराया।

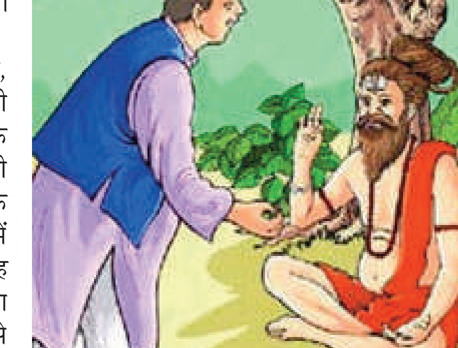

अश्विन बोले ऋषभ को अपनी शैली में सुधार की जरुरत

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर निशाना साधा है। अश्विन ने कहा है कि अति आक्रामकता दिखाने की जगह पर इस बल्लेबाज को मैच के हालातों के अनुसार खेलना चाहिये।

उन्होंने कहा कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने भले ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी भी उन्हें अपनी शैली में अधिक सुधार की जरुरत है। अश्विन ने ऋषभ के फैसलों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें केवल एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाने की जगह पर देखना चाहिये कि खेल की वास्तविक जरुरतें क्या हैं।

अश्विन ने कहा कि उनका अभी का प्रदर्शन उस स्तर का नहीं है जैसा कि किसी स्थापित खिलाड़ी का होना चाहिये। श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट मैचों में कुल 168 रन और दो अर्धशतक बनाने के बाद भी उनके शाट चयन पर कई सवाल उठे हैं। अश्विन ने कहा, उनसे मेरी उम्मीदें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं।

अश्विन ने का कि उनकी शैली आक्रमक है पर उन्हें अपने अनुसार खेलने नहीं दिया जा सकता। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझना सबसे जरुरी है। विशेष रुप से तब जब दांव पर बहुत कुछ लगा हो।

उन्होंने सिडनी और ब्रिस्बेन में इस बल्लेबाज की यादगार पारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उन मैचों को वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ियों के योगदान के बिना नहीं जीता जा सकता था। अश्विन ने आगाह किया, टेस्ट मैच बनाने और खेल के आखिरी सत्र में उसे जीतने के लिए 11 क्रिकेटरों की जरूरत होती है, लेकिन टेस्ट मैच हारने के लिए सिर्फ एक पल की बेवकूफी ही काफी होती है।

अश्विन का मुख्य तर्क यह है कि इस बल्लेबाज की प्रतिभा पर किसी को कोई संदेह नहीं है, लेकिन वे उसका इस्तेमाल कैसे करते हैं, यही उनकी लगातार निर्णायक भूमिका तय करेगा। उन्होंने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि उनके आक्रामक अंदाज की जांच-पड़ताल नहीं होनी चाहिए, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने अतीत में कुछ यादगार पारियां खेली हैं।

श्रीलंका दौरे पर इस बल्लेबाज को कोलंबो में लाहिरू कुमारा की गेंद से कलाई पर चोट लगने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था, लेकिन दूसरे दिन क्रीज पर लौटते ही उन्होंने फिर आक्रामक खेल दिखाया। अश्विन का आग्रह है कि जब टीम को आक्रामक जोखिम के बजाय स्थिरता की जरूरत हो, तो उन्हें उसी अनुसार खेलना चाहिये।

न्यूज ब्रीफ

बायर्न म्यूनिख के साथ करार बढ़ाने की तैयारी में हैरी केन, क्लब के साथ शुरू हुई बातचीत

म्यूनिख। जर्मन फुटबाल क्लब बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने पुष्टि की कि उन्होंने क्लब के साथ अपने अनुबंध को बढ़ाने को लेकर बातचीत शुरू कर दी है। केन का मौजूदा करार 2027 तक है। बुंडेसलीगा के मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख लंबे समय से केन के साथ करार आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर करता रहा है। क्लब की स्टटगार्ट के खिलाफ 5-1 की जीत के बाद केन ने बताया कि नए अनुबंध को लेकर पहली बैठक पिछले सप्ताह हुई थी। केन ने एक बयान में कहा, मैं 33 साल का हूं। संभवत: यह मेरा आखिरी अनुबंध नहीं होगा, लेकिन मेरे लिए यह एक बड़ा अनुबंध होगा, जिस पर मुझे हस्ताक्षर करने हैं। उन्होंने कहा कि नए करार को लेकर अभी कई पहलुओं पर चर्चा की जानी बाकी है, लेकिन वह बायर्न के साथ अपना जुड़ाव जारी रखना चाहते हैं। केन 2023 में टोटेनहम हाटस्पर से बायर्न म्यूनिख पहुंचे थे। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे खुश हों। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से कोई जल्दबाजी नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम ऐसी स्थिति तक पहुंचेंगे, जहां दोनों पक्ष खुश होंगे। 33 वर्षीय केन इस समय बैलन डीओर के दावेदारों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में बायर्न के लिए 31 बुंडेसलीगा मैचों में 36 गोल किए थे। यह जर्मन शीर्ष लीग के एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए तीसरे सबसे ज्यादा गोल थे। केन ने पिछले सत्र में बायर्न के साथ लीग और कप का खिताब भी जीता।

सीपीएल से जुड़ीं शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया समेत चार भारतीय महिला क्रिकेटर

नई दिल्ली। चार भारतीय महिला क्रिकेटरों शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर और किरण नवगिरे ने आगामी कैरेबियन प्रीमियर लीग के लिए अनुबंध साइन किए हैं। टूर्नामेंट का आगामी सत्र 6 सितंबर से शुरू होगा। अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे और विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलेंगी। 25 वर्षीय यास्तिका पहली बार कैरेबियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगी, जबकि शिखा का यह टूर्नामेंट में तीसरा सत्र होगा। तेज गेंदबाजी आलराउंडर पूजा वस्त्राकर और आक्रामक बल्लेबाज किरण नवगिरे मौजूदा चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स की ओर से मैदान पर उतरेंगी। दोनों खिलाड़ी पहली बार कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलेंगी। पूजा ने 2025 में लंबे समय तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद वापसी की थी। उन्होंने महिला प्रीमियर लीग में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया और इसके बाद मध्य प्रदेश टी20 लीग में चंबल घड़ियाल्स की ओर से खेलीं।

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने सभी बोर्ड मिलकर प्रयास करें : चमिंडा वास

कोलंबो। पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने क्रिकेट खेलने वाले सभी सदस्य देशों से टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने की अपील की है। वास के अनुसर फ्रैंचाइजी क्रिकेट के इस दौर में टेस्ट और एकदिवसीय का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। वास ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और सभी राष्ट्रीय बोर्डों से टेस्ट तथा एक दिवसीय प्रारूपों के भविष्य को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। इससे पहले आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने भी कहा था कि प्रतिस्पर्धा की कमी वाली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं का दौर अब समाप्त होना तय है। उसी के बाद से ही एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वास ने माना है कि अब टी20 ही खेल का भविष्य है और अधिकतर देश इसे प्राथमिकता भ्री देना चाहेंगे पर इसके बाद भी सभी बोर्डों को यह समझना चाहिए कि टेस्ट और एकदिवसीय ही क्रिकेट के आधार हैं और इसी में किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों प्रारूपों को जीवित रखने के लिए ठोस कदम उठाना जरुरी है। इस अनुभवी गेंदबाज ने सभी क्रिकेट बोर्डों से इन पारंपरिक प्रारूपों को बचाये रखने करने के लिए मिलकर प्रयास करने को कहा है। वास के अनुसार, हमें 50 ओवर की क्रिकेट को जीवित रखने के लिए किसी न किसी तरह की व्यवस्था करनी होगी।

कॉर्पोरेट सेक्टर युवा क्रिकेटरों के लिए करियर सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने में आगे आए : चामुंडेश्वरनाथ

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की चाह रखने वाले युवाओं के साथ खड़े रहेंगे

हैदराबाद। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व कप्तान एवं बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल सदस्य वी. चामुंडेश्वरनाथ ने कॉर्पोरेट कंपनियों से आगे आकर वित्तीय अंतर को कम करने, जमीनी स्तर के खेल बुनियादी ढांचे के लिए धन उपलब्ध कराने तथा देशभर में युवा क्रिकेटरों के लिए एक भरोसेमंद करियर सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने में सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने क्रिकेट के साथ-साथ देश में खेलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए ट्रूज़ोन सोलर की महत्वपूर्ण पहल एवं प्रयासों की सराहना की।

बीसीसीआई के सहयोग से तेलंगाना में पहली बार आयोजित किए गए टीजी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता बनी 'हैदराबाद ई-चैंपियंस' टीम के सम्मान में शनिवार को हैदराबाद के ताज डेक्कन में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

ट्रूज़ोन सोलर के प्रतिनिधियों ने हैदराबाद टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी। टीम ने टूर्नामेंट में खेले गए 11 मैचों में से 10 मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

कंपनी के प्रतिनिधियों ने घोषणा की कि ट्रूज़ोन सोलर हैदराबाद टीम के टाइटल प्रायोजक के रूप में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर वी. चामुंडेश्वरनाथ, ट्रूज़ोन सोलर पावर के प्रबंध निदेशक चारुगुंडला भवानी सुरेश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जक्कुला श्रीनिवास, हैदराबाद ई-चैंपियंस के कप्तान अभिजीत रेड्डी, उपकप्तान अजय देव गौड़ सहित टीम के सदस्य एवं ट्रूज़ोन सोलर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए वी. चामुंडेश्वरनाथ ने हैदराबाद टीम के खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन एवं टीजी-20 टूर्नामेंट का खिताब जीतने पर बधाई दी।

उन्होंने बताया कि सचिन तेंदुलकर, सूर्यकुमार यादव एवं तिलक वर्मा जैसे प्रसिद्ध क्रिकेटर ट्रूज़ोन सोलर में निवेशक हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि अन्य खेलों को भी प्रोत्साहित करने की इच्छुक है।

उन्होंने बताया कि कंपनी ने हैदराबाद टीम को आगामी तीन वर्षों तक प्रायोजित करने का निर्णय लिया है। साथ ही उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के माध्यम से खेल क्षेत्र के विकास में और अधिक योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया। ट्रूज़ोन सोलर पावर के प्रबंध निदेशक चारुगुंडला भवानी सुरेश ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, आप खेले, आप जीते और आप चैंपियन बनकर उभरे। यह जश्न आपके लिए है। उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही क्रिकेट के विकास में अपना सहयोग दे रही है और भविष्य में भी खेलों को और अधिक बढ़ावा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी तेलुगु राज्यों के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की पहचान करने तथा उनके विकास के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि खेलों में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले प्रतिभाशाली युवा यदि उनसे संपर्क करते हैं तो उन्हें यथासंभव सहयोग एवं समर्थन प्रदान किया जाएगा।

चारुगुंडला भवानी सुरेश ने कहा कि उनके संगठन का उद्देश्य तेलंगाना एवं अन्य तेलुगु राज्यों में युवा खेल प्रतिभाओं के लिए अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान करने तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मंच एवं सहयोग उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सोनल दिनुशा के मुरीद हुए पुजारा, आने वाले समय में महान बल्लेबाज बनेंगे

मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने श्रीलंकाई टीम के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से सोनल खेलते है उसको देखकर लगता है कि आने वाले समय में वह महान बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। साथ ही कहा कि दूसरे टेस्ट में उनकी बल्लेबाजी देखकर दिग्गज बल्लेबाजों कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने की याद आ गयी।

दिनुशा ने कोलंबो में खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच की दोने ही पारियों में दबाव के बीच शतक लगाकर अपनी टीम को करारी हार से बचाया था। अंतिम दिन टीम के फालोआन खेलते समय जिस प्रकार से उन्होंने पूरे दिन बल्लेबाजी की उससे उनकी प्रतिभा का और कौशल का अंदाजा होता है। इस सीरीज में दिनुशा ने चार पारियों में 140.00 की प्रभावशाली औसत से कुल 420 रन बनाए, जिसमें तीन शानदार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने 722 गेंदों का सामना किया, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक सीरीज में खेली गई सबसे ज्यादा गेंदें हैं, जो उनकी धैर्यवान और दृढ़ बल्लेबाजी ताकत को दिखाती है।

पुजारा ने इस बल्लेबाज को लेकर कहा, पूरी सीरीज में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की है, वह शानदार रही है। इससे मुझे कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने जैसे बल्लेबाजों के दौर की याद आ गयीहैं। जब मैं बड़ा हो रहा था, तो मैं उन श्रीलंकाई खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानता था। मुझे पूरा यकीन है कि अगले 5 साल में सोनल श्रीलंकाई क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। उन्होंने वह क्षमता दिखाई है।

दिनुशा के अब तक के करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की नौ पारियों में 86.57 की प्रभावशाली औसत से 606 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर नाबाद 133 रन रहा है। वहीं, फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में भी उनका रिकार्ड शानदार है; 70 मैचों में उन्होंने 48.44 की औसत से 4,118 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 145 है।

भारत के योहान बेंजामिन पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी से खेलते दिखेंगे

मुंबई। भारतीय फुटबालर योहान बेंजामिन के साथ पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी ने दो साल का करार किया है। इस करार से मिडफील्डर योहान को यूरोपीय फुटबाल में आगे बढ़ने का एक बड़ा अवसर मिलेगा। 21 साल योहान अपने करियर में फुटबाल एकेडमी आफ बैंगलोर और मिनर्वा फुटबाल एकेडमी से जुड़े रहे हैं। इसके बाद वह शिलांग लाजोंग से खेलने लगे। यहां अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान ही योहान को क्लब की सीनियर और रिजर्व टीमों के साथ खेलने का अवसर मिला। उन्होंने 2024 शिलांग प्रीमियर लीग में 9 गोल कर अपनी टीम को खिताब जिताया था। साल 2023-24 एआईएफएफ यूथ लीग से वह सबसे नजरों में आये। इमसें उन्होंने 13 मैचों में 9 गोल किये जिससे उन्हें भारतीय अंडर-19 टीम में जगह मिली। इसके बाद, उन्होंने 2025 सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में भारत की ओर से भाग लिया। वह अगस्त 2025 में स्लोवेनिया के एनएके ब्रावो क्लब की अंडर 19 टीम में शामिल हो गए।

5 सितंबर को डायमंड लीग फाइनल में नीरज पर रहेंगी नजरें , पथिरागे से मिलेगी टक्कर

ब्रसेल्स

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब अगले माह पांच सितंबर को यहां होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत दर्ज करने उतरेंगे। ऐसे में इस मुकाबले पर उनके प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। नीरज ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने इस सीरीज की केवल दो प्रतियोगिताओं में ही भाग लेने के बाद भी 12 अंक हासिल कर अंक तालिका में छठा स्थान हासिल करते हुए शीर्ष छह में जगह बना ली है। अब फाइनल में उन्हें श्रीलंका के शीर्ष खिलाड़ी रुमेश पथिरागे से कड़ी टक्कर मिलना तय है। पथिरागे क्वालीफायर मुकाबले में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर रहे थे।

नीरज की बात करें तो चोट से उबकर क्वालीफाई करना उनके लिए वापसी की तरह है। पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट के कारण वह लंबे समय तक खेल से दूर थे।

इसके बाद दोहा डायमंड लीग में उनकी वापसी हुई, जहां उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया। हाल ही में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह पूरी तरह फिट नहीं थे, फिर भी 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उन्होंने रजत पदक जीता था। इसके बाद लुसाने डायमंड लीग में उन्होंने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का अच्छा थ्रो किया। गौरतलब है कि डायमंड लीग फाइनल चार और पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होगा। इसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी, जिसमें कूद और थ्रो स्पर्धाओं के शीर्ष छह खिलाड़ी भाग लेंगे। इस फाइनल में सभी की नजरें नीरज के अलावा श्रीलंका के रुमेश पथिरागे पर होंगी, जो 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। इस श्रीलंकाई को डायमंड लीग ट्राफी का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने इस साल हुई पांचों भाला फेंक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, जिनमें से वह चार में वे विजेता रहे और एक में दूसरे स्थान पर रहे। ज्यूरिख में उन्होंने 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके पहला स्थान हासिल किया। ये इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था।

वहीं नीरज और पथिरागे के अलावा दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने ज्यूरिख में 86.93 मीटर का थ्रो किया। वह भी एक प्रबल दावेदर रहेंगे। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वालकाट 23 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर। डायमंड लीग के अलावा, नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं, जो 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 8 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और नीरज वर्तमान में सातवें स्थान पर हैं।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय जूनियर हाकी टीम

नई दिल्ली

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम को एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए चीन के मोकी रवाना हो गई। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 13 सितंबर तक होगा। 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान मिडफील्डर खैदेम शिलैमा चानू संभालेंगी।

नवनियुक्त मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए लंबे समय तक तैयारी की है। टीम ने इस साल गर्मियों में ब्रिटेन का महत्वपूर्ण दौरा भी किया, जहां उसे शीर्ष स्तर कीओ टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिला।

5 से 14 जुलाई तक एडिनबर्ग और लिलेशल में हुए ब्रिटेन दौरे के दौरान भारत ने स्काटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ कुल सात मुकाबले खेले। भारत ने अमेरिका को 6-0 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो

मुकाबलों में 2-0 की जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ एक अन्य मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की।

इस दौरे से भारतीय टीम को स्काटलैंड की अनुभवी सीनियर टीम और बेल्जियम की मजबूत अंडर-21 टीम के खिलाफ खेलने का भी अहम अनुभव मिला।

रवाना होने से पहले मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, टीम एशिया कप के लिए चीन जाने को लेकर काफी उत्साहित है। हमारी तैयारी अच्छी रही है। हमने बेंगलुरु में आई इंडिया टीम के खिलाफ भी चार महत्वपूर्ण मुकाबले खेले। हमें भरोसा है कि हमने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिसके खिलाफ खेलना विपक्षी टीमों के लिए मुश्किल होगा। अब हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ इसे आजमाने के लिए उत्साहित हैं।

भारत को महिला वर्ग के एलीट पूल में मेजबान चीन, जापान, कोरिया और मलेशिया के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को कोरिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

भारत के एलीट पूल के मुकाबले :

- 5 सितंबर: भारत बनाम कोरिया — दोपहर 1 बजे
- 6 सितंबर: भारत बनाम मलेशिया — सुबह 9 बजे
- 8 सितंबर: जापान बनाम भारत — सुबह 11 बजे
- 9 सितंबर: चीन बनाम भारत — शाम 7 बजे

एलीट पूल में शीर्ष स्थान के लिए मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता नाकआउट चरण में प्रवेश करेगी। टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप एशिया की शीर्ष जूनियर हाकी टीमों के लिए महत्वपूर्ण मंच है, जहां युवा खिलाड़ियों को महाद्वीप की मजबूत टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलता है।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन

हरिप्रिया पुष्कर्णी पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्नान, यज्ञोपवीत पूजा एवं पंचकुंडीय महागायत्री यज्ञ सम्पन्न

23 नूतन यज्ञोपवीत धारकों ने गुरु मंत्र के साथ धारण किया यज्ञोपवीत

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 को अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाल की अध्यक्षता में मामिडपल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के हरिप्रिया पुष्कर्णी पर श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

प्रातः 9:11 बजे श्री रामनाथ आश्रम से संत श्री सेवारामजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने के पश्चात बस को कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना किया गया। प्रातः 10:21 बजे हरिप्रिया पुष्कर्णी पहुंचने के बाद अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के प्रख्यात पुरोहितों द्वारा हैदराबाद शाखा के प्रधान गोकुलचंद उपाध्याय के सानिध्य में पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई गई।

दस विधि स्नान से भक्त हुए भाव-विभोर

पुष्कर्णी में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दस विधि स्नान एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। दस विधि स्नान करते-करते भक्तगण भाव-विभोर हो गए। तत्पश्चात गायत्री एवं यज्ञोपवीत पूजा तथा पंचकुंडीय महागायत्री यज्ञ प्रारम्भ हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से यज्ञ में आहुति दी।

आयोजन के दौरान 23 नूतन यज्ञोपवीत धारकों ने विधिवत मंत्रोच्चार एवं गुरु मंत्र के साथ यज्ञोपवीत धारण किया। पूरा आयोजन विप्र बंधुओं एवं महिलाओं से खचाखच भरा हुआ था। सारा वातावरण परश-राममय हो गया तथा चारों ओर गायत्री माता के जयकारे गूंजते रहे।

आरती के पश्चात हुई भोजन प्रसादी

आरती के पश्चात भोजन प्रसादी की व्यवस्था प्रारम्भ हुई। महामंत्री रामदेव नागला ने कार्यक्रम स्थल पर विप्र बंधुओं के हर्षोल्लास को देखकर कहा कि यह विप्र बंधुओं का महत्वपूर्ण त्योहार है तथा पिछले लगभग 60 वर्षों से सभा द्वारा इस धार्मिक आयोजन का निरंतर आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस परम्परा को आगे बढ़ाने का श्रेय सभा के आदर्श एवं प्रमुख सूरजमलजी शर्मा, रामनिवासजी शर्मा, मुसद्दीलालजी शर्मा, राजारामजी शास्त्री, रामनिवासजी गांधी, राधाकिशनजी जोशी एवं अनेक साथीगणों को जाता है। आज सभा उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर इस उपाकर्म महोत्सव को प्रगति की ओर ले जा रही है।भोजन प्रसादी कार्यक्रम के दौरान छंदों के बादशाह रामनिवास पाराशर ने अपनी मधुर वाणी में छंदों की बौछार कर दी, जिसे सुनकर भक्तगण झूम उठे।

सहयोगी यजमानों एवं प्रतिभावानों का किया गया सम्मान

इस भव्य आयोजन के अवसर पर सभा द्वारा सहयोगी यजमान रामचंदजी तिवारी, गोकुलचंद उपाध्याय, हरिनारायण व्यास, सुखदेवजी जोशी, शांतिलालजी चांडा, सुरेशकुमार व्यास पारीक, हुक्मीचंद थानवी, महावीर शर्मा, गोपाल शर्मा, हरिप्रसाद रिणवा एवं रामप्रकाश ओझा का शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया।

साथ ही बृजभूषण चांडा, गोविंद व्यास, नेमीचंद दाधीच एवं भाजपा नेता भारत चांडा को उनकी योग्यता एवं योगदान के आधार पर सभा द्वारा सम्मानित किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में सभी का रहा सराहनीय योगदान

कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने में अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाल, महामंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष भारत चांडा, प्रधान संयोजक सुरेश गांधी, दामोदर जोशी, संयोजक मंडल के रामनिवास पाराशर, मोहनलाल शर्मा, अनिल जायलवाल, श्रीलाल पारीक, भगवान व्यास, संदीप जायलवाल, मुरलीधर तिवारी, रामेश्वरलाल जोशी, प्रभुदयाल पांडे, जुगल किशोर उपाध्याय, नीतेश व्यास, अर्जुन थानवी, मुकेश सैंडलिया, गोपाल कृष्ण तिवारी, संपतलाल दायमा एवं विजय शर्मा पांडे का विशेष योगदान रहा।

इसके साथ ही लक्ष्मीकांत व्यास, महावीर व्यास, राधाकृष्ण उपाध्याय, दामोदर ओझा, श्याम ओझा, हरिकिशन ओझा, रामकुमार तिवारी, मोहनलाल व्यास, द्वारकादास वैष्णव, सूर्यप्रकाश नागला, पुरुषोत्तम व्यास, अमरचंद जायलवाल, श्रीनिवास तिवारी, विनोद नागला, राजेश थानवी, ओमनारायण पंडित, रमेशचंद पारीक, किशोर उपाध्याय, विष्णु गोपाल उपाध्याय, सुरेश पांडे, सत्यनारायण तिवारी, नंदकिशोर तिवारी, सत्यनारायण व्यास अमालदार, गौतम उपाध्याय, सतवीर उपाध्याय, बब्बू उपाध्याय जैतारण, नेमीचंद पांडे, घनश्याम पांडे, दिनेश नागला, रामप्रसाद बियानी, गोपाल काकड़ा, घनश्याम तिवारी, पंकज डोबा, उमेश व्यास, वल्लभ तिवारी, राधेश्याम दाधीच, चेतन उपाध्याय, सत्यनारायण उपाध्याय (भगवत प्रेमी), दामोदर ओझा, नेमीचंद तिवारी, राधेश्याम दायमा, संतोष पंडित, घनश्याम तिवारी दाधीच, विजय मिश्रा एवं राजकुमार कंठ तिवारी के अलावा काफी संख्या में विप्र बंधु एवं महिलाएं उपस्थित थीं।

सभा ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगियों का जताया आभार

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने पधारे सभी विप्र बंधुओं, यजमानों एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी बंधुओं का आभार प्रकट किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में सभी से अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सबका...

आज जब मैं यह बात कह रहा हूं तो कोई पूछ सकता है कि आप इतने वर्षों से कहां थे? आप आज यह कहानी बता रहे हैं। हम यहीं थे, लेकिन हमें समाज ने स्वीकार नहीं किया या हमारी उपेक्षा की गई। अगर मैं उस समय यहां आता और इसमें भाग लेने की कोशिश करता, तो शायद मुझे बाहर ही रोक दिया जाता। आज हमारे समाज में हमारी कुछ बात सुनी जाती है। उस पूरे बोझ के बावजूद हम उम्मीद करते हैं कि साथ मिलकर रह सकते हैं।

लेकिन हम शुरुआत राजनीति से नहीं कर सकते

उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा मानवता की एकता की बात करती है और हमारे सभी नेताओं ने अलग-अलग समय पर इस पर जोर दिया है। आजादी के बाद बने हमारे संविधान में भी इसी भावना पर जोर दिया गया है। लेकिन यह केवल राजनीति के माध्यम से नहीं हो रहा है। दुर्भाग्य से राजनीति अब कई जगह स्वार्थ का खेल बन गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा अनुभव यह है कि शुरुआत समाज से करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद मेरे उस भाषण पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने हमें संवाद के लिए बुलाया। इसके बाद हमने मुख्य रूप से मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोगों के साथ संवाद शुरू किया। संवाद पहला कदम है। दूसरा कदम सेवा है। संवाद के साथ-साथ हमें सेवा भी करनी है और हम यह कर रहे हैं। अपने अस्तित्व के समय से ही हम सेवा करते आए हैं। सेवा करते समय हम यह भेद नहीं देखते कि सामने वाला कौन है। जिसे जरूरत है, उसकी सेवा की जाती है। आज समाज की मदद से हमारे करीब 1 लाख 30 हजार छोटे-बड़े सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। ये हर जगह काम करते हैं और सभी की समान रूप से सेवा करते हैं।

सेवा में धर्म और पहचान का भेद नहीं

मोहन भागवत ने कहा कि अपनी बात को मजबूत करने के लिए एक उदाहरण देना चाहता हूं। हरियाणा के ऊपर दो विमान आपस में टकरा गए थे। दोनों विमान अरब देशों के थे और ज्यादातर यात्री मुस्लिम थे। दुर्घटना के बाद हमारे स्वयंसेवक सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में थे।

उन्होंने घायलों का इलाज किया, जो बेहद गंभीर स्थिति में थे। बाकी लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने शवों को निकालने, अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने और मृतकों की पहचान कराने में भी मदद की। उस समय हमने यह नहीं सोचा कि ये मुस्लिम हैं। हम यह कर सके क्योंकि हम किसी प्रतिफल की अपेक्षा नहीं रखते। हम बदले में कुछ नहीं चाहते।

इसीलिए प्रचार के मामले में हम काफी पीछे हैं। हमारे बारे में गलत धारणा के कारण कई धारणाएं बनी हुई हैं। लेकिन जब आप हमें अंदर से आकर देखते हैं तो इनमें से कई धारणाएं खत्म हो जाती हैं।

समाज में एकता का माहौल बनाना होगा

मोहन भागवत ने कहा कि मैं यह इसलिए बता रहा हूं क्योंकि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी और अपनी ताकत का निर्माण करना होगा, ताकि हम राजनीति को प्रभावित कर सकें। आज लोकतंत्र में राजनीति काफी हद तक जनमत पर निर्भर करती है। अगर जनता की राय मजबूत हो, तो कोई भी राजनेता उसके खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं करेगा। इसलिए आज की साझा चर्चा के बाद हमें समाज में काम करना होगा और शुरुआत स्थानीय स्तर से करनी होगी। हमारे अपने देश में ऐसे छोटे-छोटे क्षेत्र और समुदाय बनाने होंगे, जहां निस्वार्थ सेवा और एकता का वातावरण हो। और इसके साथ संवाद जारी रखना होगा। इसी संवाद के माध्यम से हमें लोगों को जोड़ना होगा।

सेवा से समाज में बदलाव की शुरुआत

उन्होंने कहा कि जब लोग हमारी सेवा परियोजनाओं में आते हैं, तो उनमें से बहुत से लोग अपनी परेशानियों से राहत पाते हैं। इसके बाद वे खुद हमारे प्रकल्पों में काम करने के लिए वापस आते हैं। वे महसूस करते हैं कि इस परियोजना ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और अब उन्हें भी इसमें कुछ योगदान देना चाहिए। हम उन्हें ऐसा करने के लिए नहीं सिखाते। यह भावना अपने आप पैदा होती है। यही बदलाव लेकर आती है। हमें अपने-अपने स्थान पर उस दुनिया के मॉडल बनाने चाहिए, जिसे हम देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें इस संवाद को लगातार जारी रखना चाहिए। इस संवाद को निचले स्तर तक भी ले जाना होगा। अगर हम यहां से शुरुआत करते हैं और अपने लोगों को इसके बारे में बताते हैं, फिर अलग-अलग देशों में संवाद शुरू करते हैं, उन देशों के प्रांतों में, जिला स्तर पर और प्रखंड स्तर तक जाते हैं, तो धीरे-धीरे वातावरण बदलेगा।

23 सत्रों से मिली सीख

मोहन भागवत ने कहा कि सबसे पहले मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं। पिछले 23 सत्रों में आपने मुझे भी बहुत कुछ सिखाया है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि आप सभी एक ही दिशा में सोच रहे हैं। हमारे मन में भी यही विचार चल रहे हैं। हम एक ही पृष्ठ पर हैं। हमें सिर्फ एक-दूसरे से जुड़ना है और स्थानीय स्तर पर काम शुरू करना है। उन्होंने कहा कि आपने जो कुछ कहा है, वह पूरी तरह सही है। हमारी सोच भी उसका समर्थन करती है और हमारा व्यावहारिक अनुभव भी यही बताता है। मुझे लगता है कि अगर हम सब मिलकर काम शुरू करें, तो हम स्थिति को बदल सकते हैं। लेकिन इसमें काफी समय लगेगा। लोगों के मन को बदलना आसान नहीं है।

ज्ञान काफी नहीं, आदत बदलनी होगी

उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि ईश्वर यहां है। हर कोई जानता है कि क्या होना चाहिए। लेकिन फिर भी लोग अपनी पसंद-नापसंद के कारण गलत रास्ते पर चले जाते हैं। मैं खुद मधुमेह से पीड़ित हूं। मुझे पता है कि चीनी मेरे लिए ठीक नहीं है। मैं पशु चिकित्सक हूं, इसलिए मानव मधुमेह के बारे में भी जानता हूं। लेकिन जब कोई मिठाई सामने आती है तो मैं कहता हूं, कभी-कभार खाने में क्या है? मैं अपने लिए बहाने खोज लेता हूं और खा लेता हूं। ठीक उसी तरह लोगों को सही बात का ज्ञान तो है, लेकिन उसे व्यवहार में उतारना मुश्किल है। इसलिए सिर्फ शिक्षा देना पर्याप्त नहीं है। हमें अभ्यास विकसित करना होगा।

धार्मिक अनुष्ठानों का महत्व

उन्होंने कहा कि यहीं धार्मिक अनुष्ठानों का महत्व सामने आता है। सभी धर्मों के अनुष्ठान उनके विश्वास को व्यवहार में उतारने की प्रक्रिया सिखाते हैं। हमारी परंपरा में रामकृष्ण परमहंस एक उदाहरण हैं। उन्होंने अलग-अलग धर्मों का अभ्यास किया। उन्होंने भारतीय मूल के धर्मों के साथ-साथ इस्लाम और ईसाई धर्म का भी अभ्यास किया और उनके अंतिम अनुभव तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कहा था कि जितने मत हैं, उतने ही रास्ते हैं, लेकिन सभी एक ही लक्ष्य तक पहुंचते हैं। यह सिर्फ सिद्धांत नहीं था, बल्कि उनका वास्तविक अनुभव था।

अलग-अलग परंपराओं में आध्यात्मिक अनुभव की समानता

मोहन भागवत ने कहा कि एक और व्यक्ति थे, जिनका नाम मैं जानता हूं, इसलिए उनका उदाहरण दे रहा हूं। वे प्रिंसटन विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के डीन थे। उन्होंने दुनिया की अलग-अलग परंपराओं में हुए आध्यात्मिक अनुभवों का अध्ययन किया। उन्होंने ग्रीक परंपराओं, इस्लामी परंपराओं, कैथोलिक परंपराओं और दुनिया की दूसरी परंपराओं में दर्ज ऐसे अनुभवों का अध्ययन किया और इस पर कई किताबें लिखीं। उनका निष्कर्ष था कि रास्ता चाहे कोई भी हो, अलग-अलग परंपराओं में आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने वाले लोगों के अनुभवों में आश्चर्यजनक समानता दिखाई देती है। इसलिए इन बातों को हमें समाज तक ले जाना होगा।

बौद्धिक समझ से आगे बढ़कर व्यवहार जरूरी

उन्होंने कहा कि लेकिन मैं समझता हूं कि किसी बात को बौद्धिक रूप से समझ लेना पर्याप्त नहीं है। मुझे अपनी आदत बदलनी होगी। और इसमें समय लगता है। आदत इतनी गहराई से बदलनी चाहिए और नई आदत इतनी मजबूत होनी चाहिए कि वह हमें भौतिक सुख के आकर्षण, प्रभावशाली व्यक्ति या प्रभावशाली समूह बनने की इच्छा और श्रेष्ठता की भावना जैसी चीजों से बचा सके। यही चीजें समाज में परेशानियां पैदा करती हैं। हमें ऐसे समाज बनाने हैं जो इन आकर्षणों और दबावों के सामने भी अपने मूल्यों पर कायम रह सकें।

यह लंबी लड़ाई है, निराश नहीं होना है

उन्होंने कहा कि इसमें लंबा समय लगेगा। इसलिए हमें निराश नहीं होना चाहिए। मैंने रीडर्स डाइजेस्ट में एक कहानी पढ़ी थी। उसका शीर्षक था 'सफलता और हार के बीच अंतर'।

कहानी एक ऐसे व्यक्ति की थी जिसने अपना सब कुछ खो दिया था। उसकी नौकरी चली गई, उसकी पत्नी घर, कार और बाकी चीजें लेकर चली गई। उसके पास केवल करीब 150 डॉलर बचे थे। कोई उसे नौकरी देने को तैयार नहीं था, क्योंकि उसके बारे में खराब प्रचार हो चुका था।

उसने तय किया कि वह आत्महत्या कर लेगा। लेकिन मरने से पहले उसने सोचा कि इन 150 डॉलर को खर्च कर लेता हूं। वह लॉस वेगास गया। वहां उसे एक खनन क्षेत्र के बारे में पता चला। करीब एक मील लंबी और आधा मील चौड़ी जमीन को 150 फीट तक खोदा गया था। उम्मीद थी कि वहां कोई खनिज मिलेगा। कंपनियां वहां खुदाई कर चुकी थीं, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। वे निराश हो गईं और जमीन की नीलामी का नोटिस दे दिया।

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों...

इस मामले की पिछली सुनवाई 13 अगस्त को हुई थी। उस दौरान न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने नियम बनाने में देरी को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को फटकार लगाई थी। पीठ ने सवाल किया था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें? इसके बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने उच्चतम न्यायालय में यह हलफनामा पेश किया है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने चेतावनी लेबल संबंधी व्यवस्था को अलग-अलग चरणों में लागू करने का प्रस्ताव दिया है, ताकि खाद्य उद्योग को अपने उत्पादों में आवश्यक बदलाव करने और उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाने का समय मिल सके।

पहला चरण: उन उत्पादों पर लाल चेतावनी लेबल लगाया जाएगा, जिनमें वसा, चीनी या नमक में से कोई भी दो या दो से अधिक तत्व तय सीमा से ज्यादा मात्रा में होंगे। इसमें अधिक मीठे शीतल पेय भी शामिल होंगे। दूसरा चरण: इसके बाद यह नियम उन उत्पादों पर भी लागू किया जाएगा, जिनमें इन तीनों में से कोई एक तत्व भी निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में पाया जाएगा।

इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को पैकेट के सामने ही यह जानकारी मिल सकेगी कि किसी खाद्य पदार्थ में नमक, चीनी या संतृप्त वसा की मात्रा अधिक है। इससे लोग खरीदारी के समय अधिक सावधानी से खाद्य पदार्थों का चुनाव कर सकेंगे।

आरक्षण पर...

उनका कहना है कि आरक्षण को ज्यादा न्यायपूर्ण और प्रभावी बनाने की जरूरत है। उनका दावा है कि अभी आरक्षण का फायदा कुछ ही समुदायों तक ज्यादा पहुंच रहा है।

जीतन राम मांझी बिहार के मुशहर समाज से आते हैं। यह दलित समाज के सबसे पिछड़े समूहों में माना जाता है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा का कहना है कि दलित आरक्षण का फायदा पासवान और रविदास जैसे कुछ समुदायों को ज्यादा मिला है। दूसरी ओर कई अन्य दलित समुदाय अभी भी पीछे हैं।

संतोष कुमार सुमन ने दावा किया कि उनके मुशहर समुदाय से अब तक एक भी व्यक्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी नहीं बन पाया है। इसी आधार पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा आरक्षण के अंदर ज्यादा कमजोर समुदायों के लिए अलग व्यवस्था की मांग कर रही है।

गौरतलब है कि आरक्षण को लेकर मौजूदा विवाद की जड़ 2024 के उच्चतम न्यायालय के एक अहम फैसले में है। न्यायालय ने राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंदर उप-वर्गीकरण यानी उप-श्रेणीकरण की इजाजत दी थी। इसका उद्देश्य इन वर्गों में सबसे ज्यादा पिछड़े समुदायों तक आरक्षण का फायदा पहुंचाना था।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय में एक याचिका भी दाखिल की गई है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के सामाजिक और आर्थिक रूप से आगे बढ़ चुके लोगों को आरक्षण के फायदे से बाहर करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि संपन्न परिवार आरक्षण के फायदे पर ज्यादा कब्जा कर रहे हैं।

याचिका में 2024 के फैसले का भी हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया कि संविधान पीठ के सात में से चार न्यायाधीशों ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग में भी क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू करने की बात कही थी। हालांकि केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में दिए हलफनामे में कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति पर क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं किया जा सकता। अभी यह व्यवस्था अन्य पिछड़ा वर्ग में लागू है।

चिराग पासवान बोलेपहले इस्तीफा दें जीतन राम मांझी

इस बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की मांग का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग अनुसूचित जाति आरक्षण में क्रीमी लेयर की बात कर रहे हैं, उन्हें पहले आरक्षण का फायदा छोड़ना चाहिए। चिराग ने कहा कि अगर जीतन राम मांझी क्रीमी लेयर की व्यवस्था के पक्ष में हैं, तो उन्हें पहले केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनके बेटे संतोष कुमार सुमन को भी इस्तीफा देना चाहिए। चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) लंबे समय से अनुसूचित जाति आरक्षण में उप-कोटे का विरोध करती रही है। चिराग ने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के सभी समुदाय एकजुट रहे हैं। संविधान में अनुसूचित जाति आरक्षण को आर्थिक आधार पर तय करने की व्यवस्था नहीं है।

चिराग ने चेतावनी दी कि आरक्षण में उप-कोटा या क्रीमी लेयर लागू करने से सामाजिक न्याय का मकसद कमजोर हो सकता है। इससे समाज में बंटवारा बढ़ेगा और इसका असर दलितों की एकता पर भी पड़ सकता है। आरक्षण का मुद्दा ऐसे समय फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में है, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर सहयोगी दलों के बीच शुरू हुई यह बहस आने वाले दिनों में और तेज होने के आसार हैं।

जीतन राम मांझी ने किया पलटवार

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पलटवार किया है। गया में उन्होंने कहा कि चिराग के रुख से गरीब और जरूरतमंद लोगों को आरक्षण के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। मांझी ने कहा कि व्यापक जनहित में आरक्षण के अंदर यह बंटवारा जरूरी है। उन्होंने चिराग पर गरीबों की चिंता नहीं करने का आरोप लगाया। मांझी ने कहा कि अगर चिराग को गरीब लोगों की चिंता नहीं है, तो उन्हें पहले अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

मंच 'शुद्धीकरण'...

चाय की दुकानों पर भी अलग-अलग कप रखे जाते हैं दलितों के लिए अलग और बाकी लोगों के लिए अलग।

राहुल ने कहा कि शादी जैसे खुशी के मौके पर भी दलित दूल्हों को घोड़ी पर बैठने से रोका जाता है। कई बार पत्थरबाजी और मारपीट तक होती है। कुछ लोग सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर बारात निकालते हैं। यह सिर्फ गांवों की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के कई हिस्सों की हकीकत है।

2. जितनी बुलंद आवाज, उतना तेज हमला

राहुल गांधी ने कहा कि जब राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल के नेता टीकाराम जूली मंदिर जाते हैं, तो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग उस मंदिर का शुद्धीकरण करवाते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने गए, तो वहां भी शुद्धीकरण किया गया। उनकी ही पार्टी के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री रहे जीतन राम मांझी जब एक मंदिर में गए, तो मंदिर का शुद्धीकरण किया गया।

3. शुद्धीकरणछुआछूत का दूसरा नाम

राहुल गांधी ने कहा कि 8 अगस्त को खड़गे की हल्द्वानी के रामलीला मैदान में रैली हुई थी। इसके दो दिन बाद, 10 अगस्त को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने हवन कर मंच का शुद्धीकरण किया।

खड़गे ने 13 अगस्त को संसद में इस घटना का जिक्र करते हुए इसे दलितों का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था, मैं दलित हूं, शुद्धीकरण के नाम पर मेरा अपमान किया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि शुद्धीकरण के नाम पर इस तरह की कार्रवाई छुआछूत की मानसिकता को दर्शाती है।

4. शुद्धीकरण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी हो

राहुल गांधी ने कहा कि घटना को 20 दिन हो गए हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमारी मांग है कि उत्तराखंड में जिन लोगों ने खड़गे की रैली के बाद मंच का शुद्धीकरण किया, उनके खिलाफ जल्द से जल्द प्राथमिकी दर्ज की जाए।

उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की भी मांग की।

जानें, हल्द्वानी की सभा और उसके बाद क्या हुआ

8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा हुई थी। इसके बाद कुछ हिंदू संगठनों ने वहां यज्ञ कर मंच के शुद्धीकरण का दावा किया।

आयोजकों का कहना था कि धार्मिक मंच का इस्तेमाल राजनीतिक बयानों के लिए किया गया और वहां धार्मिक मर्यादा का ध्यान नहीं रखा गया, इसलिए शुद्धीकरण किया गया। उनका दावा था कि इस कार्रवाई का जाति से कोई लेना-देना नहीं है।

खड़गे ने मानसून सत्र के दौरान संसद में यह मुद्दा उठाया और इसे अपनी दलित पहचान से जोड़ते हुए दोषियों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की। राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जातिवादी सोच करार दिया है। दूसरी ओर, शुद्धीकरण कराने वाले आयोजकों ने इसे धार्मिक मर्यादा से जुड़ा विषय बताते हुए जातिगत भेदभाव के आरोप से इनकार किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 30 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एसबीआई ने तेलंगाना में बैंकिंग पहुंच और सामुदायिक सेवा का विस्तार किया

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने तेलंगाना में सात नई एसबीआई शाखाओं और चार डिजिटल कियोस्क का उद्घाटन किया। इससे बैंक की बैंकिंग पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को सुविधाजनक डिजिटल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

सात नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन

अध्यक्ष डरा वर्चुअली उद्घाटित सात शाखाएं चित्रपुरी कॉलोनी, सातमराई, चेंगिचेरला, दौलताबाद, भूमपल्ली, तीगल गुट्टापल्ली और येल्लारेड्डीपेट में स्थित हैं। ये नई शाखाएं उभरते और कम सेवा वाले क्षेत्रों में एसबीआई की उपस्थिति को और मजबूत करेंगी तथा ग्राहकों को उनके घरों और व्यवसायों के करीब व्यापक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं प्रदान करेंगी।

मंदिरों में डिजिटल कियोस्क से सुविधा बढ़ी

एसबीआई के डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों पर ग्राहक सुविधा बढ़ाने के प्रयास के तहत श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने चार डिजिटल कियोस्क का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। ये कियोस्क श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (छोटा तिरुपति), वट्टेम; श्री लक्ष्मी गोदा समेत श्री विराट वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, संगारेड्डी; श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम, भद्राचलम; और श्री भद्रकाली मंदिर, वारंगल में स्थित हैं। इन कियोस्क का उद्देश्य भक्तों और आगंतुकों के लिए एसबीआई की डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है।

सीएसआर के तहत बसें सौंपी गईं

एसबीआई की कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीए-सआर) पहल के अंतर्गत अक्षय विद्या फाउंडेशन, हैदराबाद और ज्ञान सरस्वती देवस्थानम, बासर को बसें भी दान की गईं। इससे शिक्षा और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उनके प्रयासों को समर्थन मिला है। श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने बसों को हरी झंडी दिखाई और लाभार्थी संगठनों के प्रतिनिधियों को चाबियां सौंपीं। तेलंगाना सरकार के बंदोबस्त विभाग के अतिरिक्त आयुक्त श्री ई. श्रीनिवास राव और अक्षय विद्या फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी श्री एस. जनार्दन ने अध्यक्ष से बस की चाबियां प्राप्त कीं। ये पहलें वित्तीय समावेशन, डिजिटल पहुंच और समावेशी सामुदायिक विकास पर एसबीआई के निरंतर फोकस को दर्शाती हैं, जो उन समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सार्थक योगदान देने की बैंक की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-2) श्री सतीश कुमार, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-1) श्री रणविजय प्रताप, डीजीएम एवं सीडीओ श्री सुरजीत त्रिपाठी के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।ऐसी पहलों के माध्यम से एसबीआई अपनी बैंकिंग नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और सीएसआर हस्तक्षेपों का उपयोग कर तेलंगाना में सकारात्मक और स्थायी प्रभाव पैदा करना जारी रखे हुए है।

डॉ. अनेश कुमार शर्मा को उस्मानिया विवि का प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्रों में से एक माना जाता है। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान कर विश्वविद्यालय उन विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित करता है, जिन्होंने उन्नत एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है और व्यक्तिगत व व्यावसायिक रूप से दूसरों के जीवन को समृद्ध बनाया है।

ग्रेजुएशन डे समारोह में सम्मान

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025-26 के लिए उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सॉलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेटरी (एसएसपीएल), डीआरडीओ तथा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनेश कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित पूर्व छात्र का सम्मान प्रदान करने पर गर्व का अनुभव किया। ग्रेजुएशन डे समारोह के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया। सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम और राष्ट्रीय मिसाइल कार्यक्रमों में डॉ. शर्मा का शानदार करियर अल्मा मेटर के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

शिक्षा और पेशेवर यात्रा

डॉ. शर्मा ने आईआईटी हैदराबाद से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने अपना पेशेवर सफर सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लिमिटेड, जीएईटीईसी से शुरू किया, जो सामरिक अनुप्रयोगों के लिए कंपाउंड सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों की भारत की एकमात्र फाउंड्री है। डीआरडीओ में प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएएसएम-एसआर के रूप में उन्होंने नौसैनिक अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी मिसाइल के विकास का नेतृत्व किया। एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमआरएसएएम (भारतीय वायु सेना) के रूप में उन्होंने टीमों और भारतीय उद्योग का नेतृत्व करते हुए डिजाइन एवं विकास का कार्य पूरा कराया, जिसके परिणामस्वरूप एमआरएसएएम फायरिंग यूनिट को भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया।

ईसीआईएल में नेतृत्व और उपलब्धियां

डॉ. शर्मा ईसीआईएल के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) तथा निदेशक (तकनीकी) रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में संगठन को मिनीरत्न का दर्जा मिला और स्थापना के बाद से अब तक का सर्वोच्च राजस्व हासिल किया गया। उन्होंने उत्पादों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास आधारित संस्कृति को बढ़ावा दिया।

वर्तमान भूमिका और योगदान

वर्तमान में सॉलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेटरी, डीआरडीओ के निदेशक के रूप में डॉ. शर्मा उन्नत सेमीकंडक्टर सामग्री, फोटोनिक्स, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अल्ट्रा-स्मॉल एटॉमिक क्लॉक्स एवं एमईएमएस आधारित सेंसर तथा रक्षा अनुप्रयोगों के लिए जीएएएस व जीएएन आधारित उपकरण, आईआर सेंसर और सरफेस एकॉस्टिक वेव प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

आईआईटी गांधीनगर में अतिथि संकाय सदस्य के रूप में वे अनुसंधान-उद्योग-अकादमी के बीच सेतु का काम करते हुए अगली पीढ़ी के तकनीशियनों और नेताओं को प्रेरित कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत के प्रबल समर्थक डॉ. शर्मा को ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रसारण क्षेत्र के स्वदेशीकरण में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उन्हें एलसीना स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड, आईआईटी हैदराबाद का प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार (समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान) तथा डीआरडीओ परफॉर्मेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड आदि से भी नवाजा जा चुका है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने गर्व के साथ डॉ. अनेश कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ब्राइड्स एक ऐसा प्रदर्शनी आयोजन है, जिसकी शादी, ब्राइडल और डिजाइनर शॉपिंग के लिए सबसे अधिक प्रतीक्षा की जाती है। इसमें देश भर के 350 से अधिक डिजाइनरों के चुनिंदा डिजाइन प्रदर्शित किए जा रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग की तरह ही हाईलाइफ ब्राइड्स बेहतरीन ज्वेलरी, डिजाइनर वियर, परिधान, एक्सेसरीज, फुटवियर और अन्य वस्तुओं के लिए एक डेस्टिनेशन शॉपिंग अनुभव प्रदान करता है। देश का सबसे लोकप्रिय, पसंदीदा और सबसे बड़ा एग्जीबिशन ब्रांड हाईलाइफ एग्जीबिशन दुल्हनों, होने वाली दुल्हनों और परिवारों के लिए विशेष शादी की खरीदारी का माहौल लेकर आया है।

सेलेब्रिटीज और फैशन प्रेमियों ने की शोभा बढ़ाई

अभिनेत्री प्रिशा सिंह, अभिनेत्री ऋतु चौधरी, अभिनेत्री रित्तिका चक्रबर्ती, हाईलाइफ एग्जीबिशन के एमडी एवं सीईओ तथा हाईलाइफ ब्राइड्स के मुख्य आयोजक श्री एबी पी. डोमिनिक, टॉप मॉडल्स, फैशन प्रेमी और फैशन उत्साही लोगों ने हाईलाइफ ब्राइड्स एग्जीबिशन के भव्य उद्घाटन की शोभा बढ़ाई। यह प्रदर्शनी 29, 30 और 31 अगस्त 2026 को हैदराबाद के एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी में आयोजित हो रही है।

आयोजक ने दी जानकारी

इस अवसर पर बोलते हुए हाईलाइफ एग्जीबिशन के एमडी एवं सीईओ तथा हाईलाइफ ब्राइड्स के मुख्य आयोजक श्री एबी पी. डोमिनिक ने कहा, हाईलाइफ ब्राइड्स अपने तरह का अनोखा और सबसे बड़ा एग्जीबिशन है, जिसमें वेडिंग एवं ब्राइडल जरूरी सामानों के साथ-साथ फैशन एवं लाइफस्टाइल उत्पादों जैसे लेटेस्ट फैशन्स, डिजाइनर वियर, ज्वेलरी, वेडिंग ज्वेलरी, फैशन लेबल्स आदि का विशेष प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें ब्राइडल एनसेंबल डिजाइनरों, टॉप ज्वेलर्स, फैशन लेबल्स, वेडिंग एसेंशियल्स तथा फैशन व लाइफस्टाइल डिजाइनरों के लिए अलग एवेन्यू उपलब्ध है।तीन दिवसीय हाईलाइफ ब्राइड्स एग्जीबिशन में वेडिंग वियर, ब्राइडल, फैशन, ज्वेलरी और लाइफस्टाइल का विशेष प्रदर्शन 31 अगस्त तक एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में किया जा रहा है।

हरियाणा के पूर्व राज्यपालरबंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार, दि. 29 अगस्त को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से शिष्टाचार भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

रामसिंहपुरा में भगवान सत्यनारायण कथा का हुआ श्रद्धापूर्वक आयोजन

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामसिंहपुरा स्थित विनय सिंह के निवास स्थान पर भगवान श्री सत्यनारायण कथा का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर धार्मिक वातावरण बना रहा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्री सत्यनारायण की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। आयोजित भगवान श्री सत्यनारायण कथा में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ सहभागिता की। कथा श्रवण के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा तथा सभी ने धार्मिक अनुष्ठान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, ललित इंदौरिया, विनय सिंह, गोपाल सिंह एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री सत्यनारायण के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनला श्रीनिवास ने फिरोज खान को मध्य प्रदेश राज्य अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनला श्रीनिवास ने इस नियुक्ति पर फिरोज खान को बधाई दी और पार्टी के विकास के लिए उनके नेतृत्व में अच्छा काम करने की कामना व्यक्त की।

अन्नदान से मानवता की सेवा में जुटा राधे-राधे ग्रुप : शीतल गुप्ता

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए शीतल गुप्ता ने कहा कि मानवता की सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण यही है कि राधे-राधे ग्रुप निष्पक्ष भाव से प्रतिदिन अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का पुनीत कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है और इस सेवा में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की विशेषता यह है कि सेवा को केवल अवसर विशेष तक सीमित न रखते हुए नियमित रूप से अन्नदान किया जा रहा है। इस कार्य से जरूरतमंदों को भोजन मिलने के साथ समाज में सहयोग, करुणा और अपनत्व की भावना भी मजबूत हो रही है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया एवं युवान केडिया सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक अन्नदान की सेवा पहुंचाने का संकल्प लिया।

श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आज

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026 से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौरस्ता, अत्तापुर, हैदराबाद में होगा।

पितृपक्ष मास के अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने तथा आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन रविवार, 30 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे साईं बाबा मंदिर, एन.एम. गुड़ा चौरस्ता, अत्तापुर में किया जाएगा।बैठक में समाज के धार्मिक आस्था रखने वाले बंधुओं, नगर की सभी संस्थाओं एवं संगठनों, महिला संगठनों, महिला सामाजिक संस्थाओं तथा महिला धार्मिक मंडलों सहित सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। समिति द्वारा सभी से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

समिति ने बताया कि आप सभी के सुझाव एवं सहयोग से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा।

समिति अध्यक्ष द्वारा समाज के बंधुओं से संपर्क करने पर मुख्य यजमान, दैनिक यजमान तथा भोजन व्यवस्था में सहयोग करने का आश्वासन भी प्राप्त हुआ है।

इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी एवं कोषाध्यक्ष संजय राठी ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित कर मानवता और सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं हरीश तोलाराम हिंदुजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक श्रेष्ठ माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करना है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विडियो वायरल : पत्नी अस्पताल में थी फिर भी नहीं रुकी पुलिस की टोइंग!

साहब, ऑर्डर देकर चला जाऊंगा- गिड़गिड़ाता रहा राइडर

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में ट्रैफिक नियमों की सख्ती के बीच इंसानियत का सवाल खड़ा करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। 28 अगस्त, शुक्रवार को एक नशीर्ं डिलीवरी राइडर उस समय मुश्किल में पड़ गया, जब ट्रैफिक पुलिस ने डिलीवरी के दौरान सड़क किनारे खड़ी उसकी बाइक को जब्त कर टोइंग वाहन से ले जाना शुरू कर दिया। राइडर पुलिसकर्मियों से लगातार अपनी बाइक नहीं ले जाने की गुहार लगाता रहा।

वायरल वीडियो में राइडर पुलिसकर्मियों से कहता सुनाई देता है, साहब मैं ऑर्डर डिलीवर करके चला जाऊंगा। मेरी पत्नी अस्पताल में है। वह पुलिस को अपनी पारिवारिक परिस्थिति समझाने की कोशिश करता है और कुछ समय की मोहलत मांगता नजर आता है। इसके बावजूद बाइक को टोइंग वाहन में ले जाने की कार्रवाई जारी रहती है।

बताया जा रहा है कि राइडर ने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी की थी और ऑर्डर लेने के लिए कुछ देर के लिए वहां से गया था। इसी दौरान ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को टोइंग वाहन से उठाने की कार्रवाई शुरू कर दी। वापस लौटने पर राइडर ने पुलिसकर्मियों से अपनी बाइक छोड़ने की अपील की।

राइडर की मजबूरी उस समय और स्पष्ट दिखाई देती है, जब वह टोइंग वाहन के साथ चलता हुआ अपनी बाइक को बचाने की कोशिश करता है। वीडियो में वह वाहन को रोकने का प्रयास भी करता दिखाई देता है। इसी दौरान टोइंग वाहन का दरवाजा खोलकर एक पुलिसकर्मी द्वारा उसे पीछे धकेलते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद वाहन बाइक लेकर वहां से चला जाता है।

यदि बाइक नो-पार्किंग या किसी अन्य ट्रैफिक नियम के उल्लंघन में खड़ी थी, तो नियमानुसार कार्रवाई किया जाना स्वाभाविक है। लेकिन वायरल वीडियो ने कार्रवाई के मानवीय पक्ष को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल

यह है कि क्या नियम लागू करते समय राइडर की बताई गई पारिवारिक आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोई वैकल्पिक रास्ता निकाला जा सकता था?

डिलीवरी राइडर के लिए बाइक उसकी रोजी-रोटी का प्रमुख साधन होती है। बाइक जब्त होने का सीधा असर उसके काम और दैनिक आय पर पड़ता है। ऐसे में अस्पताल में पत्नी के होने का दावा करने वाले राइडर की स्थिति ने इस घटना को सामान्य ट्रैफिक कार्रवाई से अलग संवेदनशील मामला बना दिया है।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस के रवैये को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोगों ने ट्रैफिक नियमों के पालन को जरूरी बताते हुए पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया है, तो कई लोगों ने राइडर की परिस्थिति को देखते हुए मानवीय रवैया अपनाए जाने की बात कही है।

हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर पूरी घटना का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। वीडियो में कार्रवाई से पहले की पूरी स्थिति दिखाई नहीं देती। बाइक किस सटीक ट्रैफिक उल्लंघन के तहत जब्त की गई, राइडर को पहले क्या निर्देश दिए गए और पुलिस ने उसे किस प्रक्रिया के तहत वाहन छुड़ाने को कहा, इन सवालों का स्पष्ट जवाब आधिकारिक तौर पर सामने आना अभी बाकी है। 29 अगस्त की इस दिल पसीजने का वायरल विडियो पर अभी तक सिटी पुलिस विभाग की ओर से ऐसा विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है, जिसमें बाइक जब्त करने का पूरा आधार, राइडर पर लगाया गया जुर्माना, बाइक वापस किए जाने की स्थिति अथवा वीडियो में दिखाई दे रहे पुलिसकर्मी के खिलाफ किसी विभागीय कार्रवाई की पुष्टि की गई हो।

यह घटना एक व्यापक सवाल भी सामने लाती है। शहरों में हजारों डिलीवरी राइडर रोजाना समय पर ऑर्डर पहुंचाने के दबाव में सड़कों पर काम करते हैं। उनकी कमाई उनके वाहन और रोजाना की डिलीवरी पर निर्भर करती है। ऐसे में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के साथ-साथ उनके सामने आने वाली वास्तविक परिस्थितियों को लेकर प्रशासनिक संवेदनशीलता कितनी होनी चाहिए, यह बहस का विषय बन गया है।

कानून सभी के लिए समान होना चाहिए, लेकिन कानून लागू करने का तरीका मानवीय भी हो सकता है। हैदराबाद की यह घटना अब इसी सवाल के बीच खड़ी है अगर राइडर का दावा सही था कि उसकी पत्नी अस्पताल में थी, तो क्या बाइक जब्त करने से पहले उसे कुछ मिनट की राहत दी जा सकती थी ?फिलहाल इस पूरे मामले में अगला महत्वपूर्ण कदम हैदराबाद ट्रेफिक पुलिस का आधिकारिक स्पष्टीकरण होगा। उसी से यह साफ होगा कि बाइक किस नियम के उल्लंघन में जब्त की गई और उस समय राइडर की बताई गई मजबूरी पर पुलिस ने क्या निर्णय लिया।

बीजेपी गोलकुंडा जिला इकाई ने जीएचएमसी की लापरवाही के खिलाफ धरना दिया

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा गोलकुंडा जिला इकाई ने आज जीएचएमसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मोघलपुरा स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के सामने धरना आयोजित कर लंबे समय से लंबित नागरिक मुद्दों को उठाया। जीएचएमसी ठेकेदारों द्वारा खोदी गई सड़कें पिछले 9 महीनों से अधूरी पड़ी हुई हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को गंभीर परेशानी और सुरक्षा संबंधी खतरे का सामना करना पड़ रहा है। चारमीनार विधायक मीर अली जुलफकर के आवास के सामने वाली सड़क भी 6 महीनों से लंबित है, जिसके कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों को असुविधा हो रही है।

उचित फॉगिंग की कमी के कारण मच्छरों की समस्या और डेंगू का खतरा निवासियों में बढ़ रहा है। भाजपा ने मूसी क्षेत्र में गाद निकालने के कार्यों को भी तुरंत पूरा करने की मांग की।

जनता के मुद्दों के बारे में पूछे जाने पर डिप्टी कमिश्नर ने कथित तौर पर कहा कि सिविल, इंजीनियरिंग और फॉगिंग के कार्य मेरी जिम्मेदारी नहीं हैं, जिसकी भाजपा ने कड़ी निंदा की।

भाजपा ने सभी लंबित सड़कों, सिविल कार्यों, उचित फॉगिंग और मूसी में गाद निकालने के कार्यों को तुरंत पूरा करने की मांग की।इस धरने का नेतृत्व गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र जी के साथ के. सुरेंद्र जी, कृष्णा जी, कुणाल राव जी, राहुल यादव जी, के. प्रकाश गौड़ जी, दिनेश जी, नटराज जी, विपिन जी, वीरमणि जी, नितेश अग्रवाल जी, अर्जुन जी, साकेत जी, पवन मिश्रा जी, चेतन जी और अन्य नेताओं ने किया।

हुब्बली से अहमदाबाद, जोधपुर और वाराणसी के लिए सीधी उड़ान की मांग

हुब्बली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर कर्नाटक में हवाई संपर्क को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रधानमंत्री 15 सूत्री अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य एवं संस्कार स्कूल के संस्थापक-अध्यक्ष तथा समाज-सेवी महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को अतिरिक्त शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनका सम्मान भी किया।

प्रतिनिधिमंडल ने हुब्बली से अहमदाबाद, जोधपुर और वार-णसी के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने की पुरजोर मांग रखी। उन्होंने बताया कि उत्तर कर्नाटक के हजारों लोगों के गुजरात, राजस्थान और देश के अन्य प्रमुख शहरों से व्यापारिक, सामाजिक, धार्मिक एवं पारिवारिक संबंध हैं। सीधी उड़ान नहीं होने के कारण यात्रियों को अन्य शहरों के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ जाते हैं।

महेंद्र सिंघी ने कहा कि हुब्बली हवाई अड्डा उत्तर कर्नाटक के महत्वपूर्ण हवाई केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। अहमदाबाद, जोधपुर और वार-णसी के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से व्यापार, उद्योग, पर्यटन, धार्मिक यात्राओं और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से संबंधित मंत्रालय और विमानन कंपनियों के साथ आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

नशे का बढ़ता जाल

तेलंगाना पुलिस के लिए नई चुनौती

तीन साल में 47 फीसदी बढ़े मादक पदार्थों से जुडे मामले

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में नशीले पदार्थों का कारोबार और इससे जुड़े मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में राज्य में नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में करीब 47 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पुलिस की अपराध समीक्षा में सामने आए इन आंकड़ों ने नशे के बढ़ते जाल को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023-24 में राज्य में नशीले पदार्थों से जुड़े 2,026 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 2,960 हो गई। यानी तीन साल के भीतर 934 मामले बढ़ गए।

हैदराबाद से लगे साइबराबाद क्षेत्र में भी नशे से जुड़े मामलों में तेज बढ़ोतरी सामने आई है। यहां 2023-24 में 266 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025-26 में बढ़कर 508 हो गए। इस तरह मामलों में करीब 90 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वरंगल में स्थिति और अधिक

चिंताजनक रही। यहां तीन वर्षों के दौरान नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में 142 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। आदिलाबाद में मामले 57 से बढ़कर 219 और निजामाबाद में 62 से बढ़कर 123 हो गए।

पुलिस का मानना है कि नशीले पदार्थों की पहुंच को रोकने के लिए केवल बिक्री करने वालों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे आपूर्ति तंत्र, तस्करी के रास्तों और नशे के कारोबार से जुड़े धन के लेन-देन पर भी शिकंजा कसना जरूरी है।

हालांकि राज्य में अपराध की पूरी तस्वीर एक जैसी नहीं है। कुल अपराध में करीब सात फीसदी की बढ़ोतरी के बावजूद हत्या, डकैती और सेंधमारी जैसे गंभीर अपराधों में कमी दर्ज की गई है।

वर्ष 2024-25 में गंभीर अपराधों के 7,019 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025-26 में घटकर 6,294 रह गए। यानी ऐसे मामलों में करीब 10 फीसदी की कमी आई। हैदराबाद में भी गंभीर अपराध 1,483 से घटकर 1,094 रह गए।

पुलिस समीक्षा के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराध, ऑनलाइन ठगी, वैज्ञानिक जांच और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की भी समीक्षा की गई। अपराध पर नजर रखने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस द्वारा आधुनिक सूचना तंत्र और डिजिटल साधनों के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। आंकड़े यह जरूर बता रहे हैं कि एक ओर जहां हत्या, डकैती जैसे गंभीर अपराधों पर कुछ हद तक अंकुश लगा है, वहीं नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार पुलिस के सामने नई चुनौती बनकर उभरा है। युवाओं तक नशे की पहुंच रोकने के साथ-साथ इसके पीछे काम करने वाले पूरे गिरोह और उसके आर्थिक तंत्र को तोड़ना अब पुलिस के लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है।

तेलंगाना बना तस्करों की आवाजाही का रास्ता

नशीले पदार्थों की तस्करी का जाल अब अंतरराज्यीय स्तर तक फैलता दिखाई दे रहा है। राजस्थान, महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश से जुड़े गिरोहों की कड़ियां तेलंगाना तक पहुंच रही हैं। पुलिस की विशेष टीमों ने कई मामलों में तस्करों को पकड़कर नशीले पदार्थों की खेप बरामद की है।

राज्य में तीन वर्षों के दौरान नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में 47 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद को कई गिरोह दूसरे राज्यों से नशीले पदार्थ लाने और आगे पहुंचाने के रास्ते के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

तेलंगाना पुलिस की विशेष इगल फोर्स और नशीले पदार्थ निरोधक दस्ते ने तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज की है। पुलिस अब केवल नशीले पदार्थ पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि तस्करी से जुड़े गिरोह, उनके रास्तों और अवैध कमाई पर भी नजर रख रही है।

पुलिस की लगातार कार्रवाई से साफ है कि नशे के खिलाफ लड़ाई अब स्थानीय स्तर से निकलकर अंतरराज्यीय गिरोहों तक पहुंच गई है। तस्करी की कड़ियां तोड़ना और नशे की आपूर्ति रोकना पुलिस के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.